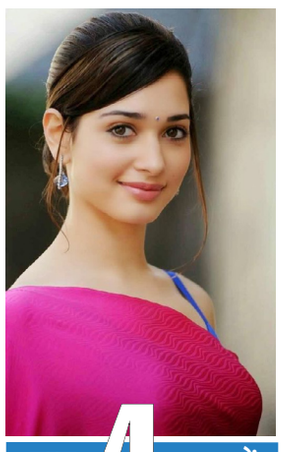

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'छठी मैया' गाने की शूटिंग में भावुक हुई -तमन्ना

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 43 ■ अंक : 168 ■ शुक्रवार, 18 सितंबर 2026 3 रूपए ■ पृष्ठ 4

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

'वर्षा' में उल्हासनगर के विकास कार्यों पर चर्चा

उल्हासनगर. गणेशोत्सव के पवित्र माहौल में एक उल्हासनगर के डेवलपमेंट को नई दिशा और रफ़्तार देने वाली एक अहम कार्य हुआ. उल्हासनगर के MLA कुमार ऐलानी और BJP डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट और ग्रुप लीडर राजेश वढारिया ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनके सरकारी घर वर्षा पर मुलाकात की और शहर में पेंडिंग डेवलपमेंट के कामों, नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने और पब्लिक इंटरेस्ट की अलग-अलग मांगों पर डिटेल में चर्चा की।

MLA कुमार ऐलानी और BJP डिस्ट्रिक्ट प्रेसिडेंट और ग्रुप लीडर राजेश वढारिया ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से उनके सरकारी घर वर्षा पर मुलाकात की और उल्हासनगर के पेंडिंग डेवलपमेंट के कामों, नागरिक सुविधाओं को बढ़ाने और पब्लिक इंटरेस्ट के अलग-अलग मुद्दों पर डिटेल में चर्चा की।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उल्हासनगर के डेवलपमेंट से जुड़े मुद्दों पर पॉजिटिव तरीके से विचार किया और सरकार के लेवल पर ज़रूरी एक्शन लेने और पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया। MLA कुमार ऐलानी ने कहा कि, 'उल्हासनगर के हर तरफ के डेवलपमेंट के लिए, नागरिकों की समस्याओं का पक्का हल निकालने और डेवलपमेंट के कामों को समय पर पूरा करने के लिए राज्य सरकार के साथ अच्छा तालमेल बनाए रखा जाएगा।'

अंबरनाथ, बदलापुर, उल्हासनगर के लिए MMRDA का आधुनिक कचरा प्रकल्प

60%
काम हुआ पूरा

600
टन वेस्ट प्रोसेस करने की क्षमता

उल्हासनगर. अंबरनाथ, कुलगांव, बदलापुर, उल्हासनगर में सॉलिड वेस्ट डिस्पोजल की समस्या को हल करने के लिए, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन डेवलपमेंट अथॉरिटी (MMRDA) ने बदलापुर में एक सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्रोजेक्ट लगाना शुरू कर दिया है। इस प्रोजेक्ट का 60 परसेंट काम दो साल में पूरा हो गया है। अगर यह प्रोजेक्ट लागू होता है, तो अंबरनाथ, कुलगांव, बदलापुर और उल्हासनगर में सॉलिड वेस्ट डिस्पोजल की समस्या हल हो जाएगी। इस प्रोजेक्ट में हर दिन 600 टन सॉलिड वेस्ट प्रोसेस किया जाएगा।

प्लानिंग अथॉरिटी के तौर पर, MMRDA मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में मेट्रो, सी ब्रिज, सी रोड, गल्फ कोस्ट रोड, टनल, लिंक रोड, फ्लाईओवर वगैरह जैसे प्रोजेक्ट्स को लागू करके ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मजबूत कर रहा है। हालांकि, साथ ही, MMRDA यहां पानी की सप्लाई और सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट की दिक्कतों को हल करने की कोशिश

अंबरनाथ, बदलापुर, उल्हासनगर में सॉलिड वेस्ट डिस्पोजल की समस्या जल्द हल हो जाएगी

कर रहा है। इसी के तहत, MMRDA ने बदलापुर में कुछ एकड़ जमीन पर एक सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्रोजेक्ट लागू करने का फैसला किया ताकि अंबरनाथ, कुलगांव-बदलापुर और उल्हासनगर शहरों में सॉलिड वेस्ट के निपटान की दिक्कत को हल किया जा सके।

यह काम दो साल पहले शुरू किया गया था। यह प्रोजेक्ट KfW-मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन अर्बन इंफ्रास्ट्रक्चर इम्प्रूवमेंट प्रोग्राम के तहत शुरू किया गया है। यह प्रोजेक्ट कचरा पैदा होने को कम करने, उससे काम के रिसोर्स निकालने और बचे हुए कचरे को साइंटिफिक तरीके से निपटाने के सिद्धांतों पर लागू किया जाएगा। यह प्रोजेक्ट मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन में साफ, इको-फ्रेंडली और सस्टेनेबल शहरी विकास को बढ़ावा देगा।

MMRDA ने बताया कि बदलापुर में इस प्रोजेक्ट का 60 परसेंट काम पूरा हो चुका है। इस प्रोजेक्ट में हर दिन 600 टन सॉलिड वेस्ट प्रोसेस किया जाएगा।

रीसायकल होने वाले सामान को मटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (MRF) के ज़रिए छांटा और रिकवर किया जाएगा। बायोडिग्रेडेबल वेस्ट को प्रोसेस करने के लिए एक अलग फैसिलिटी होगी। इसके अलावा, यह सिस्टम वेस्ट मिनिमाइज़ेशन, रिसोर्स रिकवरी और साइंटिफिक डिस्पोज़ल के प्रिंसिपल पर आधारित होगा।

यह प्रोजेक्ट 'बिल्ड – यूज़ – ट्रांसफर' के प्रिंसिपल पर लागू किया जा रहा है। इस प्रोजेक्ट के पूरा होने के बाद, अंबरनाथ, कुलगांव – बदलापुर और उल्हासनगर में म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट के साइंटिफिक मैनेजमेंट की कैपेसिटी काफी मज़बूत हो जाएगी, जिससे लोगों को एक साफ़ और हेल्दी शहरी माहौल मिल सकेगा। बदबू, कीड़े, मच्छर कम पैदा होंगे और आग लगने की घटनाएं कम होंगी।

विसर्जन तालाबों के लिए लाखों रुपए पानी में!

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका गणेशोत्सव के पूरे 15 दिनों तक शहर के आठ कृत्रिम विसर्जन तालाबों को पानी से भरने पर 24 लाख 44 हजार रुपये खर्च करेगी। जल आपूर्ति विभाग ने सात जगहों को टैंकरों से और IDI स्थित तालाब को उल्हास नदी के पंप से भरने के लिए चार अलग-अलग टेंडर मंगाए हैं।

जल आपूर्ति विभाग ने शहर के आठ आर्टिफिशियल विसर्जन तालाबों को पानी से भरने के लिए चार अलग-अलग टेंडर मंगाए हैं। बोट क्लब और हीराघाट स्थित तालाबों को टैंकरों से भरने के लिए आठ लाख 22 हजार, कैलाश कॉलोनी, लालचक्की और जीजामाता हाई जलकुंभी के पास आर्टिफिशियल तालाबों के लिए सात लाख 11 हजार, सेंचुरी रेयान घाट और उल्हास रेलवे स्टेशन के पास तालाबों को टैंकरों से भरने के लिए छह लाख 11 हजार और IDI, उल्हासनगर-1 स्थित आर्टिफिशियल तालाब को उल्हास नदी के पानी से भरने के लिए दो लाख 98 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे।

पति से झगड़ा सुलझाने के नाम पर ऑफिस बुलाया, फिर किया गैंगरेप

BJP के पूर्व MLA नरेंद्र पवार के खिलाफ FIR

कल्याण. कल्याण की रहने वाली एक एक महिला के साथ गैंगरेप के आरोप में कल्याण से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पूर्व विधायक नरेंद्र पवार और बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटिल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। गुरुवार को पडघा पुलिस स्टेशन में यह मामला दर्ज किया गया है।

आरोप है कि महिला को मदद के बहाने एक ऑफिस में बुलाया गया। यहां से उसे भिवंडी तालुका के बापगांव ले जाया गया। आरोपियों ने हथियार दिखाकर महिला को

धमकाया, जबरन शराब पिलाई और उसके साथ गैंगरेप किया। पीड़िता की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आगे की जांच कर रही है।

शिकायत के मुताबिक, पूर्व विधायक नरेंद्र पवार ने 22 साल की विवाहित महिला को अपने पति के साथ चल रहे विवाद को सुलझाने के लिए अपने ऑफिस बुलाया था। 13 सितंबर को पवार और उनके सहयोगी शैलेश पाटिल उसे भिवंडी तालुका के बापगांव में एक निजी प्रॉपर्टी पर ले गए। पूर्व विधायक के रात 2:00 बजे वहां से चले जाने के बाद शैलेश पाटिल ने भी पीड़िता का यौन शोषण किया। बाद में सुबह 4:00 बजे शैलेश पाटिल की प्रॉपर्टी के केयरटेकर ने पीड़िता को उसके घर छोड़ दिया।

कांग्रेस पार्षद कंचन कुलकर्णी ने की मदद

इस दर्दनाक हादसे के बाद सदमे में आई महिला ने 16 सितंबर को कल्याण-डोंबिवली म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (KDMC) की कांग्रेस पार्षद कंचन कुलकर्णी से संपर्क किया। महिला द्वारा दिखाए गए वीडियो और लिखित सबूतों की जांच करने के बाद कंचन कुलकर्णी बुधवार देर रात उसे पडघा पुलिस स्टेशन ले गईं। पडघा पुलिस स्टेशन ने शिकायत की पुष्टि करने के बाद पवार और पाटिल के खिलाफ गैंगरेप और हथियारों के साथ आपराधिक धमकी देने जैसे आरोपों में FIR दर्ज कर ली है।

'घरोघरी बप्पा' पहल शुरू

■ **उल्हासनगर मनपा ने लोगों से अपील की**

उल्हासनगर. गणेशोत्सव के पवित्र त्योहार के दौरान हर घर में बप्पा की परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को बचाए रखने के लिए, उल्हासनगर मनपा ने एक नई पहल 'घरोघरी बप्पा' पहल शुरू की है। इस पहल के तहत, मनपा ने लोगों से अपील की है कि वे अपने गणपति की सजावट, पूजा के तरीके, परिवार की परंपराओं और यादगार यादों को bappa.org वेबसाइट पर रजिस्टर करें। इसमें हिस्सा लेने के लिए, लोगों को अपने घर के गणपति की एक फोटो और गणेशोत्सव की कहानी शेयर करनी होगी। हर हिस्सा लेने वाले को 'डिजिटल कल्चरल प्रमोटर' सर्टिफिकेट दिया जाएगा।

ज़्यादा जानकारी और हिस्सा लेने के लिए, उल्हासनगर मनपा ने बताया है कि WhatsApp नंबर 91361 72681 पर मैसेज भेजें।

■ **परंपराओं को बचाने की एक कोशिश**

इस पहल में, हर नागरिक अपने घर के गणपति की एक फोटो और उसके पीछे की कहानी bappa.org वेबसाइट पर अपलोड कर सकेगा। उल्हासनगर की सांस्कृतिक विरासत को डिजिटल रूप में सहेजा जाएगा। इसके लिए कई सालों से सहेजे गए पारिवारिक रीति-रिवाजों, इको-फ्रेंडली गणेशोत्सव, घर पर होने वाली खास सजावट या अनोखे रीति-रिवाजों को रिकॉर्ड किया जाएगा। मनपा की इस पहल का मकसद सिर्फ एक कॉम्पिटिशन नहीं है, बल्कि नागरिकों की भागीदारी से शहर का सांस्कृतिक इतिहास बनाना भी है। इसमें भाग लेने वाले हर नागरिक को 'डिजिटल कल्चरल प्रमोटर' के खास सर्टिफिकेट से सम्मानित किया जाएगा। नगर निगम ने सभी नागरिकों, युवाओं, महिला समूहों और गणेश भक्तों से बड़ी संख्या में भाग लेने की अपील की है।

कल्याण में गुटखा बेचने वाले जीतू, अमर पान स्टॉल बंद

■ **FDA ने की कार्रवाई**

कल्याण. फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन कमिश्नर तुकाराम मुंढे के आदेश पर, राज्य में बैन गुटखा और मिलावटी प्रोडक्ट बेचने वाली जगहों पर छापेमारी और सामान जब्त करने की कार्रवाई पिछले कुछ महीनों से चल रही है। चार दिन पहले, फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के ठाणे डिवीजन की एक टीम ने कल्याण में शहाड़ और कल्याण रेलवे स्टेशन के पास जीतू और अमर पान स्टॉल पर छापा मारा और इन स्टॉल से कुल सात हजार रुपये से ज्यादा कीमत के अलग-अलग तरह के बैन गुटखा जब्त किए। इन पान स्टॉल को चलाने वाले दोनों पान स्टॉल ऑपरेटरों के खिलाफ महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पान स्टॉल ऑपरेटरों के नाम विश्वजीत मौर्य और जयेश बालकृष्ण ठाकरे मौर्य के रूप में दर्ज हैं। मौर्य शहाड़ के बंदरपाड़ा में रहते हैं। शहाड़ फ्लाईओवर के नीचे उनकी जीतू पान शॉप नाम से दुकान है। ठाकरे कल्याण में रामबाग गली नंबर 6 में राज महल होटल के पीछे मैत्री सोसाइटी में रहते हैं। कल्याण रेलवे स्टेशन के पास दीपक होटल के पीछे अमर पान शॉप नाम से उनकी दुकान है।

कमिश्नर मुंढे के कार्यालय को सूचना मिली थी कि कल्याण रेलवे स्टेशन के पास शहाड फ्लाईओवर के नीचे एक पान दुकान में महाराष्ट्र में प्रतिबंधित गुटखा बेचा जा रहा है। इस कार्यालय के आदेश पर ठाणे विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारी आर. वी. कराडक, शेडगे, महात्मा फुले पुलिस स्टेशन के पुलिस निरीक्षक वी. वी. मडके, हवलदार किशोर सूर्यवंशी, दीपक थोरात ने संयुक्त रूप से शहाड फ्लाईओवर के नीचे विश्वजीत की जीतू पान टपरी पर छापा मारा।

टीम ने उनकी पान टपरी से पान मसाला, राजश्री पान मसाला, सिग्नेचर फाइनेस्ट, डायरेक्टर स्पेशल पान मसाला, प्रीमियम कैश गोल्ड सहित कुल छह हजार रुपये का प्रतिबंधित गुटखा जब्त किया। इस कार्रवाई के बाद, टीम ने दोपहर में कल्याण पश्चिम रेलवे स्टेशन के पास जयेश ठाकरे की अमर पान टपरी पर छापा मारा.

स्टूडेंट्स की क्रिएटिविटी से बने 'इको-फ्रेंडली बप्पा'

■ **वर्कशॉप में प्रदूषणमुक्त गणेशोत्सव का संकल्प**

उल्हासनगर. नन्हे हाथों को शाडू मिट्टी का स्पर्श मिला और उन्होंने अपनी क्रिएटिविटी से एक सुंदर 'इको-फ्रेंडली बप्पा' बनाया! उल्हासनगर के PMश्री पालिका स्कूल नंबर 25 के स्टूडेंट्स ने गणेश बनाते हुए पर्यावरण संरक्षण के गणेश का उद्घाटन किया।

'POP को नकारो, शाडू के बप्पा को अपनाओ' का संदेश देते हुए स्टूडेंट्स ने प्रदूषण-मुक्त संकल्प लिया। गणेशोत्सव के स्टूडेंट्स ने अपनी क्रिएटिविटी से एक के बाद एक सुंदर गणेश मूर्ति बनाई। पर्यावरण संरक्षण का संदेश एक्शन के ज़रिए देने के लिए PM

श्री पालिका स्कूल नंबर 25 में 'इको-फ्रेंडली गणपति' वर्कशॉप जोश के साथ हुई।

म्युनिसिपल कमिश्नर मनीषा अव्हाले के मार्गदर्शन में और प्रिंसिपल गार्गी चतुर्वेदी द्वारा शुरू की गई इस वर्कशॉप में क्लास 6 और 7 के स्टूडेंट्स ने जोश के साथ हिस्सा लिया। वर्कशॉप का उद्घाटन पर्यावरण-अनुकूल गणेशोत्सव का संकल्प लेकर किया गया। स्टूडेंट्स ने शाडू मिट्टी से आकर्षक गणेश मूर्तियाँ बनाकर अपनी प्रतिभा दिखाई। इस मौके पर, POP मूर्तियों से होने वाले पानी के प्रदूषण और पर्यावरण पर पड़ने वाले बुरे असर के बारे में बताते हुए शाडू मिट्टी की मूर्तियों का महत्व बताया गया। टीचर्स और पेरेंट्स ने स्टूडेंट्स के आर्टवर्क की तारीफ़ की।

समाधान बार को नगर परिषद ने दिया नोटिस

■ **30 दिन में अवैध निर्माण तोड़ दो, नहीं तो नपा करेगी कार्रवाई**

अंबरनाथ. अंबरनाथ का बहुचर्चित समाधान डांस बार को अंबरनाथ नगर परिषद ने नोटिस देकर कहा है कि बार का ऊपरी बनाया गया भाग अनधिकृत है. 30 दिन के भीतर उसे स्वतः संबंधितों ने नहीं तोड़ा तो नपा प्रशासन कार्रवाई करेगी. समाधान बार जो कि डीएमसी रोड पर स्थित है, गत कई दिनों से चर्चा में है कि इसकी पहली मंजिल पर अवैध रूप से डांस बार चलाया जा रहा है. पुलिस की कार्रवाई के बात अब पालिका के अतिक्रमण विभाग ने नोटिस जारी किया है. बार का ऊपरी बांधकाम और टेरिस के ऊपर बनाया गया शेड अनधिकृत है. महाराष्ट्र प्रादेशिक नगर रचना अधिनियम 1964 के अनुसार ये नोटिस दी गई है. नोटिस में कहा गया है कि 30 दिन के अंदर मालिक ने स्वतः अतिक्रमण को हटा ले नहीं तो नपा कार्रवाई करेगी और कार्रवाई में होने वाला खर्च संबंधितों से वसूल किया जाएगा.

विदित हो कि नगरसेवक विकास सोमेश्वर ने समाधान बार के बारे में शिकायत की थी. पुलिस ने बार को बंद कर दिया था. जो दिनों बाद नगर परिषद ने ये नोटिस जारी किया है. समाधान बार पर पुलिस की कार्रवाई के बात अब नगर परिषद की क्या कार्रवाई होगी, इस पर सबकी नजर लगी हुई है. गत एक हफ्ते से ये बार चर्चा का विषय बना हुआ है. विकास सोमेश्वर ने चेतावनी भी दी थी कि अगर डांस बार बंद नहीं हुआ तो बार में घुसकर तोड़फोड़ की जाएगी.

अंबरनाथ रेलवे पुलिस में पहला अपराध दर्ज

लोकल ट्रेन पकड़ते समय यात्री का मोबाइल चोरी

अंबरनाथ. अंबरनाथ के लोहमार्ग पुलिस थाने में पहला अपराध दाखिल हुआ है. सुबह के समय लोकल ट्रेन में चढते समय एक यात्री का किसी ने मोबाइल चोरी कर लिया है. अगर अंबरनाथ में पुलिस स्टेशन नहीं होता तो इस प्रवासी को कल्याण रेलवे पुलिस में जाना पड़ता था. अंबरनाथ से मुंबई जाने के लिए लोकल पकड़ते हुए एक 24 वर्षीय युवक का मोबाइल अज्ञात ने चोरी करने की शिकायत दर्ज की गई है. वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण चव्हाण ने तुरंत शिकायत दर्ज करके जांच शुरू करके प्लेटफार्म पर लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच शुरू की है. वैभव अर्जुन महाजन (24) ने सुबह अंबरनाथ से छूटने वाली 8.27 बजे की लोकल पकड़ने आए लेकिन लोकल चालू हो गई थी. भागते हुए उन्होंने लोकल पकड़ने का प्रयास किया. उस समय अज्ञात चोर ने पैंट की जेब से उसका मोबाइल चोरी कर लिया. उसने तुरंत प्लेटफार्म नं. 1A पर स्थित पुलिस स्टेशन में जाकर चोरी की शिकायत को दर्ज कराया. पुलिस निरीक्षक चव्हाण ने लोगों से आह्वान किया है कि रेलवे स्टेशन परिसर में किसी भी प्रकार की घटना हुई तो रेलवे पुलिस से संपर्क करें.

अंबरनाथ रेलवे पुलिस स्टेशन का उद्घाटन

■ **पुलिस महासंचालक ने किया लोकार्पण**

■ **अंबरनाथ, उल्हासनगर, बदलापुर के रेलवे क्राइम होंगे दर्ज**

अंबरनाथ. मुंबई पुलिस रेलवे आयुक्तालय के लिए शासन ने चार नए पुलिस स्टेशन मंजूर किए थे. उसमें से एक अंबरनाथ रेलवे पुलिस स्टेशन का बुधवार को लौहमार्ग पुलिस महासंचालक प्रशांत बुरडे ने उद्घाटन किया. उस समय रेलवे अधिकारी, पुलिस विभाग एवं एसआरपीएफ के अधिकारी, कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे. उद्घाटन के बाद पुलिस महासंचालक ने अपने भाषण में कहा कि मुंबई पुलिस आयुक्तालय में 4500 से ज्यादा पुलिसकर्मी हैं. अब रेलवे पुलिस में शिकायत के लिए रेलवे प्रवासियों को कल्याण नहीं जाना पड़ेगा. इस पुलिस स्टेशन के बन जाने से क्राइम भी कम होगा. अंबरनाथ पुलिस स्टेशन की हद में उल्हासनगर, अंबरनाथ और बदलापुर की रेलवे हद आती है. मोबाइल चोरी, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार व अन्य रेलवे में हुए क्राइम को अंबरनाथ रेलवे पुलिस हल करेगी. रेलवे प्लेटफारम व आसपास में हम पेट्रोलिंग को बढ़ा देंगे. ये पुलिस स्टेशन 24 घंटे कार्यरत रहेगा. ऐसी जानकारी वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण चव्हाण ने दी. लोकार्पण हुए इस नए पुलिस स्टेशन की इमारत अत्याधुनिक तंत्रज्ञान और पर्यावरण पूरक पद्धति से तैयार की गई है. रेलवे पुलिस महासंचालक बुरडे का पुलिस बैंड एवं सलामी देकर जोरदार स्वागत किया गया. कार्यक्रम में ठाणे पुलिस आयुक्तालय के ज्वाइंट सीपी जाधव, मध्य रेलवे के डीआरएम हिरेश मीना, रेलवे सुरक्षा बल के आयुक्त विवेक सागर, रेलवे पुलिस आयुक्त राकेश कलासागर, पुलिस उपायुक्त सुनिता साळुंखे-ठाकरे, प्रज्ञा जेठवे, सहायक पुलिस आयुक्त निलिमा कुलकर्णी एवं वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक लक्ष्मण चव्हाण आदि उपस्थित थे. ये पुलिस स्टेशन प्लेटफार्म क्र. 1A पर बनाया गया है.

CCE COUNCIL FOR CREATIVE EDUCATION FINLAND
8th Time Winner Green School Award 2025-26
Sacred Heart School™ Kalyan
CBSE Affiliation No. - 1130894
Google for Education Digital Leader School
Nursery to Grade 12 (Science, Commerce & Humanities)
Our Stars, Our Pride!
Shining Today • Leading Tomorrow

Kiaan Bhatia (Class 5-A) Won First Prize Under-11 in Yonex Thane District 'Shuttle Wars Tournament 2026'

Kritika Rai (9D) Rebekah Sibi (8B) Swarali Patekar (7E) represented the Thane Dist. Team at The Maharashtra Inter-District 'Sub-Junior Girls' Football Championship 2026'

Prayan Sharma (Class 5-A)
NSO Olympiad : International Gold Medal, Cash Prize, and Certificate of Outstanding Performance.
ICSO : Certificate of Zonal Excellence and Gift Certificate.
ISSO : Zonal Gold Medal, Cash Prize, and Certificate of Zonal Excellence.
IHO : Zonal Bronze Medal, Gift Certificate, and Certificate of Zonal Excellence.

Arindam Bolake (Class 10-D) Won the Championship and represented the Thane Dist. Team at The Maharashtra Inter-District 'Junior Boys' Football Championship 2026'

ADMISSIONS OPEN FROM 08 SEPTEMBER 2026 (Nursery to Grade XI)
FOR THE ACADEMIC YEAR 2027-2028
+91 8605 7330 00 | +91 8988 5211 11
Application forms are available on our website : www.sacredheartschool.in

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

अमेरिका में पढ़ रहे भारतीयों को राहत

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के एक और मनमाने फैसले पर संघीय अदालत ने फिलहाल रोक लगा दी है। यह अदालती आदेश नियमों के लागू होने से ठीक एक दिन पहले आया है। ट्रंप प्रशासन विदेशी छात्रों, शोधार्थियों और पत्रकारों के अमेरिका में रहने की अवधि सीमित करना चाहता था। मगर अदालत ने सरकार के तर्कों को बेहद कमजोर बताकर खारिज कर दिया।

यह फैसला भारतीय संदर्भ में भी खास है, क्योंकि इससे साढ़े तीन लाख से अधिक उन भारतीय विद्यार्थियों को राहत मिलेगी, जो अमेरिका में अध्ययन कर रहे हैं। सवाल यह है कि एक तरफ अमेरिका दुनिया की प्रतिभाओं को अपने फायदे के लिए इस्तेमाल करना चाहता है और दूसरी ओर छात्र वीजा को लेकर कड़े प्रावधान लागू करने में जुटा है! इन प्रयासों में इस बात पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता कि अमेरिका में जो विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं, उनके भविष्य का क्या होगा।

इससे पहले अमेरिका ने भारत समेत कई देशों पर भारी-भरकम शुल्क लगाया था, जिस पर बाद में वहां की सर्वोच्च अदालत ने रोक लगा दी थी। बीते जुलाई में ट्रंप प्रशासन ने जिस नियम को अंतिम रूप दिया था, उसमें छात्र और 'एक्सचेंज विजिटर वीजा' के लिए चार साल की समय-सीमा तय की गई थी। 'एक्सचेंज विजिटर वीजा' अमेरिका का एक प्रकार का गैर-आप्रवासी वीजा है, जो ऐसे लोगों को दिया जाता है, जो शैक्षणिक, सांस्कृतिक या पेशेवर कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए अमेरिका जाते हैं।

सवाल यह नहीं कि वीजा व्यवस्था में दुरुपयोग रोकने के उपाय होने चाहिए या नहीं, बल्कि यह है कि क्या हर समस्या का समाधान दरवाजे संकरे करना ही है। जिस देश ने दुनिया भर की प्रतिभा को अपने विश्वविद्यालयों और प्रयोगशालाओं से जोड़ा, वही यदि प्रशासनिक अनिश्चितता पैदा करेगा, तो उसका नुकसान केवल विदेशी छात्रों को ही नहीं, बल्कि अमेरिकी शिक्षा, शोध और अर्थव्यवस्था को भी होगा। अदालत ने भी चेताया है कि नए नियमों से व्यवस्था को नुकसान हो सकता है। राष्ट्रीय सुरक्षा जरूरी है, लेकिन वह सार्वभौमिक बहाना नहीं हो सकती, जिसके सहारे सरकार हर कठोर कदम को उचित ठहरा दे।

विचार : सुनिश्चित हो अध्यापकों की योग्यता

आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन यानी ओईसीडी के अंतरराष्ट्रीय छात्र मूल्यांकन कार्यक्रम (पीसा) की इन दिनों पूरी दुनिया में चर्चा है। समूह में सम्मिलित देशों के अतिरिक्त शिक्षा सुधार में रुचि लेने वाले देशों में भी इसकी चर्चा हो रही है। रिपोर्ट 15-वर्ष आयु वर्ग के 91 देशों और अर्थव्यवस्थाओं के 7,60,000 बच्चों की 2025 में अर्जित उपलब्धियों का अध्ययन एवं विश्लेषण प्रस्तुत करती है। यह गणित, विज्ञान एवं अन्य विषयों को पढ़ने की क्षमताओं पर केंद्रित है। पीसा की प्रक्रिया वर्ष 2000 में प्रारंभ हुई थी।

भारत ने केवल 2009 में ही इसमें भाग लिया और उस अध्ययन को तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश के बच्चों पर केंद्रित किया गया। उसमें भारत का शैक्षिक स्तर 73 और 74वें क्रम पर रहा। इससे देश की किरकिरी हुई और तत्कालीन सरकार ने इसमें भागीदारी पर विराम लगा दिया। भले ही भारत ने 2025 के कार्यक्रम में भाग न लिया हो, लेकिन इसके परिणामों का अध्ययन अत्यंत लाभदायक हो सकता है, क्योंकि जिस तेजी से इतिहास के इस मोड़ पर शैक्षिक परिवर्तन हो रहे हैं, वह कल्पनातीत है। ऐसे में सारी व्यवस्था और उसकी कार्यसंस्कृति में त्वरित सुधार ही गतिशीलता बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं।

वर्ष 2025 की इस रिपोर्ट को वर्तमान परिस्थितिजन्य और शिक्षणशास्त्रीय परिवर्तन को ध्यान में रखकर देखें तो स्पष्ट हो जाएगा कि पीसा रिपोर्ट के निष्कर्ष में कुछ भी अनपेक्षित नहीं। इस रिपोर्ट के

अनुसार पिछले दस वर्षों में पढ़ने या कहें कि पढ़ने के कौशल में रुचि में 28 पाइंट का औसत घटाव हुआ है। यह वैसा ही है, जैसा भारत में हर सतर्क और सजग अध्यापक देख रहा है। वैसे यह घटाव केवल ओईसीडी देशों में ही था। बाकी में इसमें पहले जैसा ही ठहराव मिला।

संभवतः उन देशों में मोबाइल, इंटरनेट और एआई का प्रवेश सीमित रहा होगा। रिपोर्ट में यह तथ्य भी दोहराया गया कि संसाधनों की कमी और सक्षम तथा प्रशिक्षित अध्यापकों का अभाव अभी भी एक विश्वव्यापी समस्या है। कहीं कम कहीं ज्यादा। बच्चों की रुचियां भी तेजी से बदल रही हैं। उनके तनाव के मोर्चे बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में उन्हें प्रशिक्षित और संवेदनशील अध्यपक ही नहीं, अपितु उचित छात्र-अध्यापक अनुपात में परामर्शदाता भी चाहिए, जो अधिक समय देकर उन्हें सही दिशा में सोचने और समझने के साथ ही उनमें संवेदनशीलता के भाव को विकसित करा सकें।

पीसा रिपोर्ट ने विज्ञान से प्राप्त तथ्यों और साक्ष्यों के सूक्ष्म विश्लेषण की क्षमता के आकलन का भी प्रयास किया। यह भी देखा है कि अपने समक्ष अपार सूचना भंडार में से सही और गलत का भेद करने के कौशल की क्या स्थिति है। यह न भूला जाए कि आने वाली पीढ़ी को जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण से जुड़ी चिंताओं के समाधान ढूंढ़ने होंगे। यह सोच भारत में पाठ्यक्रम तैयार करने वाले विशेषज्ञों को भी अपनाना चाहिए। आज भी भारत में ऐसे संस्थान खुलते जा रहे हैं, जो दशकों पहले की आवश्यकतानुसार तैयार हुए पाठ्यक्रम ही पढ़ा रहे हैं। पीसा रिपोर्ट के निष्कर्ष देखकर मेरे जैसे अध्यापकों को अपनी स्थिति और कमियों को लेकर चिंताग्रस्त होना स्वाभाविक है।

टाटा इंस्टीट्यूट आफ सोशल साइंसेज के एक सर्वेक्षण के अनुसार देश के 48 प्रतिशत सरकारी स्कूलों में एक अध्यापक एक साथ कई कक्षाओं को पढ़ाता है, क्योंकि अध्यापकों की कमी है। इस कमी के बावजूद ग्रामीण क्षेत्रों के 54 प्रतिशत और शहरी क्षेत्रों के 47 प्रतिशत अध्यापक अपने वर्ग को चुनावों, जनगणना जैसे प्रशासनिक कार्यों में लगाए जाने को बच्चों के लिए अहितकर मानते हैं। ऐसी परिस्थितियां स्कूलों की कार्यसंस्कृति में हताशा, निराशा और अपमान भाव को जन्म देती हैं। क्या शिक्षा के मूल अधिकार अधिनियम में यह उत्तरदायित्व निहित नहीं है कि सुयोग्य, निष्ठावान तथा संवेदनशील अध्यापक मिलना भी बच्चे का मूल अधिकार है?

केंद्र सरकार ने 1986/92 की शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के समय 'आपरेशन ब्लैकबोर्ड' नाम से एक परियोजना चलाई थी। इसमें लक्ष्य यह रखा गया था कि एक-कमरे-एक अध्यापक वाले हर स्कूल को त्वरित गति से कम से कम दो कमरे-दो अध्यापक वाले स्कूलों में परिवर्तित किया जाए।

जब हम ध्यानाभ्यास करते हैं, तो हम अधिक व्यावहारिक निर्णय लेने के काबिल बन जाते हैं क्योंकि हम जीवन को एक उच्चतर दृष्टिकोण से देखने लगते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

लैंगिक समानता में भारत 131वें स्थान पर क्यों?

किसी भी समाज में लैंगिक समानता विकास का महत्त्वपूर्ण आधार होती है। महिलाओं को शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य, राजनीतिक भागीदारी और आर्थिक अवसरों में पुरुषों के समान अवसर मिलना केवल सामाजिक न्याय का विषय नहीं, बल्कि यह देश की आर्थिक प्रगति से भी जुड़ा है। इसके बावजूद भारत लैंगिक समानता के मामले में अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा रहा है।

विश्व आर्थिक मंच की ओर से बुधवार को जारी वैश्विक लैंगिक अंतर सूचकांक-2026 में भारत 131वें स्थान पर बरकरार रहा। कुल 145 देशों की सूची में भारत से नीचे केवल 14 देश हैं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि वैश्विक स्तर पर अन्य देशों के मुकाबले भारत की स्थिति में अभी सुधार की कितनी गुंजाइश है।

अहम सवाल यह है कि जब भारत की गिनती दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में हो रही है, तो लैंगिक समानता की कतार में वह पीछे क्यों खड़ा है? विकास का अर्थ केवल आर्थिक प्रगति नहीं, बल्कि समाज में संसाधनों और सुविधाओं के बंटवारे में संतुलन तथा व्यवस्था में समान भागीदारी सुनिश्चित करना भी जरूरी है।

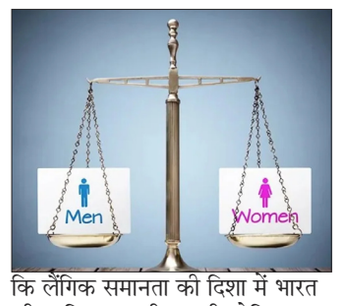

सूचकांक की रिपोर्ट में कहा गया है कि लैंगिक समानता की दिशा में भारत की प्रगति 64.5 फीसद रही, लेकिन यह वैश्विक औसत से कम है। हालांकि, पिछले साल की तुलना में अंकों में थोड़ा सुधार हुआ है, लेकिन देश की वैश्विक रैंकिंग पर इसका कोई असर नहीं पड़ा। कुल मिलाकर वर्ष 2006 के बाद से भारत में लैंगिक समानता में 4.3 फीसद अंकों की बढ़ोतरी हुई है।

भारत की स्थिति को समझने के लिए यह देखना भी जरूरी है कि समस्या केवल महिलाओं की शिक्षा तक सीमित नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में देश ने प्रगति की है, लेकिन शिक्षा और रोजगार के बीच अभी भी बड़ा अंतर है। आर्थिक भागीदारी एवं अवसर उप सूचकांक में भारत को समानता के मामले में 41.2 फीसद अंक मिले हैं। पिछले सूचकांक की तुलना में इसमें 0.5 फीसद का सुधार हुआ है, लेकिन वर्ष 2013 में मिले सबसे अच्छे परिणाम से यह 3.5 फीसद अंक कम है।

देश में सबसे बड़ी चुनौती महिलाओं को रोजगार से जोड़ने की है। यहां बड़ी संख्या में महिलाएं घरेलू जिम्मेदारियों के कारण रोजगार से बाहर रह जाती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में तो महिलाओं का काम अक्सर कृषि और पारिवारिक गतिविधियों तक सीमित रहता है, जिसका पूरा आर्थिक मूल्य भी उन्हें नहीं मिल पाता।

एक और समस्या आय का अंतर है। समान स्तर के काम के बावजूद महिलाओं की औसत आय पुरुषों की तुलना में कम रहने की समस्या अब भी बनी हुई है। इसका अर्थ है कि शिक्षा हासिल करने के बावजूद महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता और संसाधनों तक समान पहुंच अभी नहीं मिली है।

रिपोर्ट में भी इस बात का उल्लेख किया गया है कि भारत में पिछले दो दशकों में श्रमिक कार्यबल में भागीदारी की समानता में मामूली सुधार हुआ है और वर्ष 2026 में यह 44.1 फीसद रहा। महिलाओं के लिए नेतृत्व के अवसरों का अभाव भी एक बड़ी समस्या है। जो महिलाएं शिक्षा और पेशेवर क्षेत्रों में आगे बढ़ रही हैं, शीर्ष पदों पर उनकी तैनाती बहुत कम हो पाती है। इसलिए जरूरी है कि उन सामाजिक और आर्थिक असमानताओं को दूर किया जाए, जिनके कारण यह अंतर बना हुआ है।

215 एकड़ जमीन, 180 घर; इस देश में बन रहा वैदिक गांव

जरा हट के

अमेरिका के गांवों में रहने वाले लोग अकेलेपन से जूझते हैं. पड़ोसियों से अनजान रहते हैं, फास्ट लाइफ, अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड और पश्चिमी लाइफ स्टाइल से जुड़ी बीमारियों से परेशान हैं. ऐसे में वो भारतीय गांवों की जीवनशैली के मुताबिक जीवन जीना चाहते हैं. अमेरिका में इसी संकल्प को मूर्त रूप देने के लिए वैदिक विलेज बनाया जा रहा है. यह वैदिक विलेज अमेरिका के नॉर्थ कैरोलिना के विंस्टन स्लेम शहर में बनाया जाना है. 215 एकड़ की सोसायटी होगी जिसमें 180 घर होंगे. गांव के बीच में एक मंदिर होगा. मंदिर की आरती-शंख और घंटियों की ध्वनि से सुबह की शुरुआत होगी.

अमेरिका में यह वैदिक विलेज भारतीय मूल के उद्योगपति प्रकाश बुचीरेड्डी बसा रहे हैं. बुचीरेड्डी तेलंगाना की प्रकृति की गोद में पले-बढ़े हैं. उनका कहना है कि अमेरिकी लाइफ स्टाइल को छोड़कर वो भारतीय गांवों के जैसा सुकून खोजना चाहते हैं. यह वैदिक विलेज 2028 के अंत तक बनकर तैयार हो जाएगा.

सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि 215 एकड़ में बस रही सोसायटी की

इमारतों के नाम संस्कृत भाषा से लिए गए हैं. 110 घर तो मार्च 2026 में ही बुक हो गए थे. हर घर के सामने खेत होगा. हरियाली, खेती और मनोरंजन के साधन मौजूद होंगे. नॉर्थ कैरोलिना के विंस्टन स्लेम में बस रही सोसयटी का पूर प्रोजेक्ट करीब 717 करोड़ रुपये का है.

नॉर्थ कैरोलिना के विंस्टन स्लेम शहर में वैदिक विलेज का प्रोजेक्ट सफल होने के बाद अब जॉर्जिया में वृंदावनम और टेनेसी में 'वानप्रस्थ' जैसे गांव बसाए जाने है. वानप्रस्थ गांव रिटायर्ड लोगों के लिए होगा. भारतीय संस्कृति के अनुरूप ही इसे बसाया जाएगा.

इन वैदिक विलेज में लोग जमीनें खरीद रहे हैं. इन गांवों में अमेरिका के गांवों की सुविधाएं तो होंगी लेकिन ये भारतीयता का अहसास कराएंगे. फास्ट फूड इन वैदिक गांवों में बैन होंगे. लोग मंदिरों में पूजा-पाठ करेंगे. आते-जाते लोगों से मेल-मुलाकात करेंगे. साथ में बैठकर चाय पीएंगे. अकेलापन कोसों दूर भागेगा.

बुंदेलखंडी बरा

खाना-खजाना

सामग्री

- 3-4 कप उड़द की धुली हुई दाल
- 1/2 छोटा चम्मच हींग
- 1/2 छोटा चम्मच काली मिर्च
- 1/4 चम्मच लाल मिर्च
- जरूरत अनुसार तेल
- 1-2 लीटर छाछ या मट्ठा
- 2-3 चम्मच बारीक कटा धनिया
- स्वादानुसार नमक
- तड़के के लिए सामग्री
- 1 चम्मच राई
- 2-3 खड़ी हरी मिर्च
- 1-2 कढ़ी पत्ता
- 1 चम्मच तेल

विधि

बरा बनाने के लिए सबसे पहले उड़द दाल को 3-4 बार अच्छी तरह से धो लेना है। इसे हाथ से रगड़कर छिलके उतार लें और कम से कम 5-6 घंटे तक भिगोकर रख दें, आप दाल रातभर भी भिगोकर रख सकते हैं। अगले दिन भीगी हुई दाल का सारा पानी निकालकर मिक्सी में पीस लेना है। स्मूद पेस्ट के लिए इसमें थोड़ा पानी भी मिलाएं। इस स्टेप में दाल निकालकर चम्मच से चलाते हुए तब तक फेंटना है, जब

तक वो एकदम क्रीमी न लगे।

अब एक कटोरी में पानी लेकर उसमें दाल डालें। इसके बाद चेक करें कि दाल पानी के ऊपर तैरने लगी है या नहीं। अगर तैरने लगे तो समझ जाएं कि बरा बनने के लिए दाल का मिश्रण तैयार है।

एक बर्तन में पानी हल्का सा गुनगुना कर लें। इसे एक कटोरी में डालकर साथ में नमक और 1/2 छोटा चम्मच हींग भी डालें। कड़ाही में तलने के लिए जरूरत अनुसार तेल डालें।

इसके बाद हाथ पर पानी लगाएं और दाल को चपटा करें। फिर बीच में एक छेद करके बरा बनाकर तेल में सेंक लें। एक-एक करके तले हुए बरा को हींग और नमक के पानी में डालते जाना है, जिससे वो फूल जाएं। 10 मिनट बाद पानी से सारे बरा निकालकर उसे निचोड़ें और अलग प्लेट में रख लें।

दूसरी तरफ बरा के लिए छाछ तैयार कर लें। इसमें नमक, लाल मिर्च, काली मिर्च और भुना हुआ जीरा डालें। इसमें राई, कढ़ी पत्ता और हरी मिर्च को तेल में भूनकर तड़का लगाएं। सबसे आखिर में पानी से निकाले गए बरा छाछ में डालें, आपके बुन्देलखंडी स्पेशल उड़द दाल के बरा तैयार हैं।

गाड़ी, बस या ट्रेन में बैठते ही आती है उल्टी?

■ मोशन सिकनेस के लक्षण...

सफर के दौरान होने वाली मोशन सिकनेस के कई लक्षण हो सकते हैं, जो व्यक्ति को शारीरिक और मानसिक रूप से असहज कर देते हैं. इसके आम संकेतों में जी मिचलाना, उल्टी या उल्टी जैसा महसूस होना, चक्कर आना, भूख न लगना और पेट में गड़बड़ी होना शामिल हैं. इसके अलावा, शरीर में कमजोरी या थकान महसूस होना, सुस्ती आना, सिरदर्द होना, और ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई होना भी इसके लक्षण हैं. कुछ लोगों को चेहरे पर पीलापन, ठंडा पसीना आना, ज्यादा पसीना बहना, गर्मी महसूस होना, मुंह में ज्यादा लार बनना, धुंधला दिखाई देना, सांसें तेज होना या गंध के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाना जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं.

■ बच्चों में क्यों आम है यह समस्या?

यह परेशानी किसी को भी हो सकती है, लेकिन 2 से 12 साल के बच्चों में यह सबसे ज्यादा देखी जाती है. बच्चों का शरीर और उनका संतुलन तंत्र (Balance System) पूरी तरह विकसित हो रहा होता है, इसलिए वे इसकी चपेट में जल्दी आते हैं. कई बार बड़ों को सुस्त करने वाली दवाइयां बच्चों पर उल्टा असर करती हैं और उन्हें बहुत ज्यादा एक्टिव कर देती हैं. इसलिए बच्चों को कोई भी दवाई देने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लें.

■ मोशन सिकनेस से बचने के बेहतरीन और आसान तरीके

सीडीसी के मुताबिक, बिना किसी दवा के भी आप इन घरेलू और आसान तरीकों से सफर को सुहाना बना सकते हैं :

■ सही सीट चुनें

कार या बस में हमेशा आगे की सीट पर बैठें. अगर आप ट्रेन या फ्लाइट में हैं, तो खिड़की वाली सीट चुनें, जहाँ बाहर का नज़ारा आसानी से दिख सके.

■ दिमाग भटकाएं

सफर के दौरान अपना ध्यान भटकाने के लिए हेडफोन लगाकर अपनी पसंद का संगीत सुनें. इससे दिमाग का फोकस उलझन से हट जाता है.

■ धूम्रपान से बचें

सफर के दौरान स्मोकिंग करने से समस्या और बढ़ सकती है. थोड़ी देर के लिए ही सही, धूम्रपान से पूरी तरह दूर रहें.

■ हल्का खाएं और हाइड्रेटेड रहें

सफर के दौरान एक साथ भारी खाना खाने से बचें. थोड़ा-थोड़ा और हल्की मात्रा में बार-बार खाएं. पर्याप्त मात्रा में पानी पीते रहें, लेकिन शराब और कैफीनयुक्त ड्रिंक्स से दूर रहें.

■ क्षितिज को देखें

अगर संभव हो, तो खिड़की से बाहर दूर क्षितिज (जहाँ आसमान और धरती मिलते दिखते हैं) को देखें या आँखें बंद करके थोड़ी देर सोने की कोशिश करें.

■ अदरक या खट्टी चीज़ें आज़माएं

सफर में जी मिचलाने पर अदरक वाली कैंडी या फ्लेवर्ड लोजेंजेस चूसना बहुत फायदेमंद होता है.

आज का राशिफल

मेष : अष्टम भाव में चंद्रमा का गोचर अचानक उतार-चढ़ाव ला सकता है। कार्यक्षेत्र में धैर्य रखें। व्यापार में कोई भी जोखिमभरा निवेश न करें, गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। लव पार्टनर के साथ गलतफहमी हो सकती है, वाणी पर नियंत्रण रखें। अचानक अप्रत्याशित खर्च बजट बिगाड़ सकते हैं। पेट से जुड़ी समस्या हो सकती है।

वृषभ : सप्तम भाव का चंद्रमा दांपत्य जीवन और साझेदारी में सफलता दिलाएगा। व्यापार विस्तार के लिए दिन उत्तम है, नए अनुबंध हो सकते हैं। लव पार्टनर के साथ रिश्ते बेहद मधुर रहेंगे, कोई सरप्राइज मिल सकता है। धन प्राप्ति के अच्छे योग हैं, रुका हुआ पैसा मिल सकता है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा, दिनचर्या नियमित रखें।

मिथुन : छठे भाव का चंद्रमा आपको प्रतिस्पर्धियों और विरोधियों पर बढ़त दिलाएगा। ऑफिस में आपके काम की तारीफ होगी, पुरानी समस्याएं हल होंगी। लव लाइफ सामान्य रहेगी, व्यर्थ के तर्कों से बचें। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें, सोच-समझकर खर्च करें। मौसम से जुड़ी बीमारियां परेशान कर सकती हैं, ध्यान रखें।

कर्क : पंचम भाव में चंद्रमा होने से शेयर बाजार, शिक्षा और रचनात्मक कामों में सफलता मिलेगी। व्यापार में नए विचारों से बड़ा लाभ हो सकता है। प्रेम संबंधों के लिए दिन बहुत रोमांटिक रहेगा, पार्टनर का सहयोग मिलेगा। अचानक धन लाभ के योग हैं, आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, मानसिक शांति बनी रहेगी।

सिंह : चतुर्थ भाव में चंद्रमा होने से ध्यान परिवार और घर-गृहस्थी पर अधिक रहेगा। प्रॉपर्टी, वाहन या निर्माण सामग्री के कारोबार में अच्छा मुनाफा होगा। परिवार और लव पार्टनर के बीच संतुलन बनाए रखने की जरूरत है। घरेलू सुख-सुविधाओं पर खर्च हो सकता है। माता की सेहत का ध्यान रखें, स्वयं भी पर्याप्त आराम लें।

कन्या : तृतीय भाव में चंद्रमा का गोचर आपके साहस, नेटवर्किंग और संचार कौशल को बढ़ाएगा। व्यापारिक यात्राएं सफल होंगी, मार्केटिंग से बड़ा फायदा होगा। लव पार्टनर के साथ संबंध प्रगाढ़ होंगे, साथ में घूमने का प्लान बन सकता है। आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी, नए आय स्रोत बन सकते हैं।

तुला : द्वितीय भाव में चंद्रमा होने से धन लाभ और परिवार में मांगलिक माहौल रहेगा। फैशन, कला और खानपान के व्यवसायियों को बड़ा मुनाफा होगा। लव पार्टनर के साथ मधुरता बढ़ेगी, कोई प्रिय उपहार मिल सकता है। आर्थिक स्थिति में मजबूती आएगी, बचत बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, वाणी में मिठास बनाए रखें।

वृश्चिक : आपकी ही राशि में चंद्रमा होने से आपका आत्मविश्वास और आकर्षण चरम पर रहेगा। कार्यक्षेत्र और व्यापार में आपके निर्णयों की सराहना होगी। लव लाइफ बेहद सुखद रहेगी, आपसी विश्वास गहरा होगा। धन आवक के रास्ते साफ होंगे, नया निवेश लाभदायक रहेगा। मानसिक स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा।

धनु : द्वादश भाव का चंद्रमा अनावश्यक खर्च और मानसिक उथल-पुथल दे सकता है। विदेश या दूरस्थ स्थानों से जुड़ा व्यापार लाभ देगा। लव पार्टनर को समझने की कोशिश करें, संवादहीनता से बचें। खर्चों पर सख्त नियंत्रण रखना होगा, उधारी न दें। आंखों में जलन या नींद की कमी हो सकती है, विश्राम करें।

मकर : एकादश भाव का चंद्रमा करियर और व्यापार में जबरदस्त लाभ के योग बना रहा है। पुराने संपर्कों से बड़ा मुनाफा होगा, नए क्लाइंट्स जुड़ेंगे। लव पार्टनर के साथ खुशनुमा पल बिताएंगे, रिश्ते मजबूत होंगे। आर्थिक पक्ष बहुत मजबूत रहेगा, रुका हुआ धन वापस मिलेगा। सेहत बेहतरीन रहेगी, मन में उत्साह बना रहेगा।

कुंभ : दशम भाव में चंद्रमा होने से नौकरी में पद-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। अधिकारियों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। व्यापारिक विस्तार की योजनाएं योजनाएं धरातल पर उतरेंगी। जीवनसाथी और लव पार्टनर का हर कदम पर साथ मिलेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, संचित धन में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, दिनभर फुर्ती बनी रहेगी।

मीन : नवम भाव का चंद्रमा भाग्य का ताला खोलेगा। धार्मिक कार्यों और यात्राओं के योग हैं। व्यापार में मुनाफा बढ़ेगा, उच्च शिक्षा के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। लव लाइफ में नयापन और प्रगाढ़ता आएगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, भाग्य के बल पर धन मिलेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, योग और ध्यान जारी रखें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मिर्च ज्यादा हो जाए तो फॉलो करें ये आसान और असरदार तरीके

कई बार खाना बनाते समय अनजाने में मिर्च ज्यादा पड़ जाती है. ऐसी स्थिति में पूरा स्वाद बिगड़ सकता है और खाना खाना मुश्किल हो जाता है. हालांकि घबराने की जरूरत नहीं है, क्योंकि कुछ आसान किचन टिप्स की मदद से खाने की तीखापन को काफी हद तक कम किया जा सकता है. आइए जानते हैं ऐसे ही कुछ कारगर उपायों के बारे में.

1. दही या क्रीम मिलाएं

यदि सब्जी, दाल या ग्रेवी में मिर्च अधिक हो गई है तो उसमें थोड़ा दही, फ्रेश क्रीम या मलाई मिला दें. डेयरी उत्पाद मिर्च के तीखेपन को संतुलित करने में मदद करते हैं और खाने को क्रीमी स्वाद भी देते हैं.

2. उबले आलू का करें इस्तेमाल

आलू अतिरिक्त मसालों और तीखेपन को काफी हद तक सोख लेता है. ग्रेवी में एक या दो उबले आलू डालकर कुछ देर पकाएं. बाद में चाहें तो आलू निकाल सकते हैं या फिर उसे ग्रेवी में मैश कर सकते हैं.

3. थोड़ा मीठापन जोड़ें

अधिक तीखे खाने में थोड़ा सा गुड़, चीनी या शहद मिलाने से

स्वाद संतुलित हो जाता है. ध्यान रखें कि मात्रा बहुत कम हो, ताकि खाना मीठा न लगे बल्कि सिर्फ तीखापन कम हो जाए.

4. टमाटर या प्याज बढ़ा दें

यदि सब्जी या ग्रेवी में मिर्च ज्यादा हो गई है तो उसमें अतिरिक्त टमाटर की प्यूरी या भुना हुआ प्याज मिला सकते हैं. इससे ग्रेवी की मात्रा भी बढ़ेगी और तीखापन भी कम महसूस होगा.

5. नींबू का रस डालें

थोड़ा सा नींबू का रस खाने में मिलाने से स्वाद संतुलित हो जाता है. इसकी खटास मिर्च के तेज असर को कम करती है और खाने का स्वाद भी बढ़ाती है.

6. नारियल का उपयोग

दक्षिण भारतीय व्यंजनों या करी में ज्यादा मिर्च होने पर नारियल का दूध या नारियल का पेस्ट मिलाया जा सकता है. इससे खाने में हल्का मीठापन और क्रीमी टेक्सचर आता है, जो तीखापन कम कर देता है.

7. ग्रेवी की मात्रा बढ़ाएं

अगर संभव हो तो उसी रेसिपी की बिना मिर्च वाली अतिरिक्त ग्रेवी बनाकर उसमें मिला दें. यह सबसे प्रभावी तरीका माना जाता है, क्योंकि इससे मिर्च की मात्रा अपने आप संतुलित हो जाती है.

8. मक्खन या घी डालें

थोड़ा मक्खन या देसी घी डालने से खाने का स्वाद निखरता है और मिर्च की तीक्ष्णता कम महसूस होती है. यह उपाय खासतौर पर दाल और करी में अच्छी तरह काम करता है.

बारिश में होंठ हो गए रूखे?

फटे होंठों को मिलेगी नमी दूर होगा रूखापन

देसी घी का इस्तेमाल लंबे समय से त्वचा की रूखी जगहों पर नमी बनाए रखने के लिए किया जाता रहा है. होंठों पर इसकी पतली परत लगाने से सूखापन कम महसूस हो सकता है, अगर होंठ बहुत ज्यादा फटे हुए हैं तो किसी भी घरेलू मिश्रण को जोर से रगड़ने के बजाय केवल हल्के हाथ से लगाना बेहतर है.

■ देसी घी और हल्दी

आधा चम्मच देसी घी में केवल एक चुटकी हल्दी मिलाकर इस्तेमाल किया जा सकता है. इसे रात में होंठों पर बहुत हल्के हाथ से लगाएं. हल्दी का इस्तेमाल पारंपरिक घरेलू देखभाल में त्वचा के लिए किया जाता है, लेकिन इसे फटे होंठों पर रगड़ना या ज्यादा मात्रा में लगाना ठीक नहीं है. अगर हल्दी लगाने के बाद जलन, लालिमा या खुजली महसूस हो तो इसे तुरंत साफ कर दें. संवेदनशील त्वचा वाले लोग किसी नए मिश्रण को पहले थोड़ी जगह पर लगाकर देख सकते हैं.

■ देसी घी और चुकंदर

अगर आपको होंठों पर हल्का प्राकृतिक रंग पसंद है तो देसी घी में कुछ बूंद चुकंदर का ताजा रस मिलाने का घरेलू तरीका अपनाया जाता है. आधा चम्मच देसी घी में 4 से 5 बूंद चुकंदर का रस मिलाकर रात में थोड़ी मात्रा में होंठों पर लगाया जा सकता है. चुकंदर का रंग होंठों पर अस्थायी गुलाबी या लाल आभा दे सकता है. हालांकि, यह कहना सही नहीं होगा कि इससे काले होंठ एक सप्ताह में स्थायी रूप से गुलाबी हो जाएंगे. होंठों का रंग कई कारणों से प्रभावित हो सकता है. इसलिए इसे केवल प्राकृतिक टिंट और मॉइस्चराइजिंग देखभाल के तौर पर देखें. अगर मिश्रण बनाकर रखना चाहते हैं तो इसे साफ, ढक्कन वाले कंटेनर में रखें और लंबे समय तक इस्तेमाल न करें. ताजा मिश्रण बनाना ज्यादा बेहतर विकल्प है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

प्रधानपति ने पांच लाख की सुपारी देकर कराई सपा नेता की हत्या, चार गिरफ्तार

प्रयागराज. यूपी के प्रयागराज में हंडिया बाजार में सपा नेता व पूर्व प्रधान पवन कुमार यादव की सरेआम गोली मारकर हत्या का पुलिस ने चौबीस घंटे के अंदर खुलासा कर दिया। पुलिस के मुताबिक, मुगरांव गांव के प्रधानपति विनोद यादव ने राजनैतिक प्रतिद्वंद्विता और पुरानी रंजिश के चलते हत्या की सुपारी दी थी। हिस्ट्रीशीटर जितेंद्र यादव उर्फ लल्ला को हत्या के बदले पांच लाख रुपये देने का वादा किया था। पुलिस ने बुधवार को मुठभेड़ में लल्ला और उसके साथी निहाल अहमद को गिरफ्तार कर लिया। वहीं सुपारी देने के आरोपी प्रधानपति विनोद यादव और वारदात में शामिल बृजेश यादव को भी पकड़ लिया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद बुधवार को परिजनों, ग्रामीणों और समर्थकों ने हाईवे पर शव रखकर चक्काजाम कर दिया।

अफेयर के शक में पति ने की पत्नी की हत्या

हरदोई. यूपी के हरदोई में अवैध संबंधों के शक में पति ने पत्नी की धारदार हथियार से वार कर हत्या कर दी। हमले में पत्नी का सिर धड़ से अलग हो गया। सूचना पर मौका-ए-वारदात पर पहुंची पुलिस ने आरोपित पति को हिरासत में लेते हुए साक्ष्य जुटाए। अब्दुलपुरवा निवासी शकीना ने बताया कि उनकी बहन 30 वर्षीय नगमा और बैटगंज मोहल्ला निवासी ट्रक चालक परवेज ने 14 साल पहले प्रेम विवाह किया था। दोनों टीलिया मोहल्ले में किराए के मकान में रहते थे। बुधवार सुबह करीब पांच बजे पड़ोसियों की सूचना पर एएसपी पूर्वी सुबोध कुमार गौतम और सीओ अजीत सिंह मौके पर पहुंचे तो कमरे के अंदर नगमा का खून से लथपथ शव पड़ा था। उसका सिर धड़ से अलग था। परवेज को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई जो उसने बताया कि नगमा के किसी अन्य व्यक्ति के साथ संबंध थे।

अयोध्या में बनेगी अमिताभ बच्चन की धर्मशाला

अयोध्या. सदी के नायक अमिताभ बच्चन अपने पिता स्व.हरिवंश राय बच्चन के नाम से अयोध्या में सरयू तट के निकट धर्मशाला बनवाने जा रहे हैं। यह धर्मशाला आधुनिक सुविधाओं से लैस होगी। 5000 वर्ग मीटर में प्रस्तावित धर्मशाला में करीब 32 कमरे होंगे। धर्मशाला के निर्माण का मानचित्र कुछ दिन पहले ही हरिवंश राय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट के डायरेक्टर राजेश ऋषी यादव द्वारा अयोध्या विकास प्राधिकरण में प्रस्तुत किया गया है। अयोध्या विकास प्राधिकरण के सचिव राजेश मिश्र ने बताया कि हरिवंश राय बच्चन मेमोरियल ट्रस्ट के डायरेक्टर द्वारा धर्मशाला निर्माण के लिए आवेदन दिया गया है।

भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने की तैयारी

- PM बोले- भारतीय चिप की दुनियाभर में सप्लाई शुरू
- इसकी कमी से फोन-कार महंगे

नई दिल्ली. सरकार भारत को सेमीकंडक्टर हब बनाने की तैयारी में है। PM मोदी ने गुरुवार को दिल्ली के यशोभूमि में सेमीकॉन इंडिया 2026 के पांचवें एडिशन का उद्घाटन किया।

PM मोदी ने कहा कि एक तरफ भारत की इकोनॉमी बढ़ रही है, दूसरी तरफ दुनिया का भारत पर भरोसा भी बढ़ रहा है। भारत के प्लांट्स से निकलने वाली सेमीकंडक्टर चिप्स अब देश और दुनिया के बाजारों तक पहुंचने लगी हैं। उन्होंने कहा, सेमीकंडक्टर सेक्टर ऐसा नहीं है कि फैक्ट्री लगाई और काम पूरा हो गया। इसमें टेक्नोलॉजिकल कैपेबिलिटी बनाने में दशकों लगते हैं। लेकिन भारत ने चिप डिजाइन, मैन्युफैक्चरिंग, इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग, टेस्टिंग कैपेबिलिटी पर एकसाथ काम किया और सफलता हासिल की है।

दरअसल, इस साल सेमीकंडक्टर चिप्स की कमी और बढ़ती कीमतों का सीधा असर इलेक्ट्रॉनिक्स की कीमतों पर दिखा है। एपल ने सितंबर 2026 में भारत में कुछ आईफोन मॉडल की कीमतें 41% तक बढ़ाईं। इसके साथ ही कार और ऑटोमोबाइल में भी सेमीकंडक्टर चिप की लगातार कमी बनी रही है।

- पीएम मोदी के भाषण की बड़ी बातें

सेमीकंडक्टर मिशन का दूसरा फेज शुरू: भारत ने सेमीकंडक्टर मिशन का दूसरा फेज लॉन्च किया है। पहले फेज की वैल्यू करीब 70,400 करोड़ रुपए थी। दूसरे फेज के लिए 1.18 लाख करोड़ रुपए का लक्ष्य रखा गया है।

AI के लिए नई टेक्नोलॉजी पर जोर: कंपाउंड सेमीकंडक्टर के मैन्युफैक्चरिंग से लेकर सिलिकॉन फोटोनिक्स को इकोसिस्टम में शामिल करना जरूरी है। ये सभी चीजें AI को सक्षम बनाने वाले इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए जरूरी हैं।

सेमीकंडक्टर सप्लाई चेन मजबूत करने पर फोकस: भारत सप्लाई चेन को मजबूत करने पर जोर दे रहा है और इसके लिए कई रिफॉर्म किए गए हैं। उन्होंने इक्विपमेंट कंपनियों के नेताओं से इन अवसरों का फायदा उठाने की अपील की।

भारत में चिप डिजाइन और बौद्धिक संपदा बनाने पर जोर: भारत में फैबलेस कंपनियां बढ़ें और चिप से जुड़ी बौद्धिक संपदा भी यहीं तैयार हो। कंपाउंड सेमीकंडक्टर और सिलिकॉन फोटोनिक्स पर भी आगे बढ़ने की जरूरत है।

'टेप-आउट' के बाद अगली चिप पर काम शुरू: डिजाइन पूरा होने के बाद चिप को उत्पादन के लिए भेजने को 'टेप-आउट' कहा जाता है। लेकिन इसके बाद काम खत्म नहीं होता, बल्कि अगली बेहतर चिप बनाने का काम उसी दिन शुरू हो जाता है।

भारत सुधर जाओ, अमेरिक अब धमकियों पर उतरा

- तुरंत तीखा जवाब भी मिला

नई दिल्ली. भारत और अमेरिका के बीच 100 फीसदी टैरिफ बिल पर तनाव खड़ा होता नजर आ रहा है। एक ओर जहां भारत ने साफ कर दिया है कि द्विपक्षीय संबंधों पर असर पड़ सकता है। वहीं, अमेरिका के नेता भारत और चीन को रवैया सुधारने की हिदायत देते नजर आ रहे हैं। दरअसल, यह बिल अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने की ताकत दे देगा। इसकी वजह रूस से तेल खरीद है। फिलहाल, चीन की

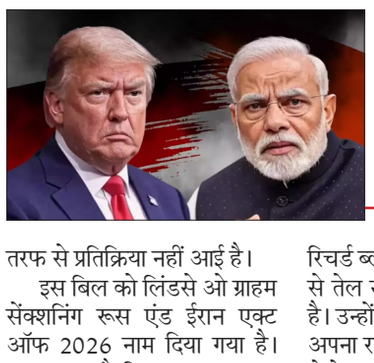

तरफ से प्रतिक्रिया नहीं आई है।

इस बिल को लिंडसे ओ ग्राहम सेंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 नाम दिया गया है। खास बात है कि ग्राहम का अब निधन हो चुका है और वह भारत पर जमकर निशाना साधते नजर आते थे। साथ ही रूस से तेल खरीदने वाले देशों के खिलाफ भारी टैरिफ लगाए जाने के समर्थक थे। उनके सम्मान में इस बिल का नाम रखा गया है।

- अमेरिकी नेता चेता रहे

अमेरिकी सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने किसी और सोर्स से तेल खरीदने की हिदायत दे दी है। उन्होंने कहा, 'भारत और चीन अपना रवैया सुधार लो। कहीं और से तेल खरीदो। तुष्टिकरण की कोई नीति नहीं है।' इससे पहले भी पीटर नवारो समेत ट्रंप के कई करीबी रूसी तेल के मुद्दे पर भारत पर निशाना साधते नजर आते रहे हैं।

हालांकि, ब्लूमेंथल अकेले नहीं है। डेमोक्रेट सीनेटर जीन शहीन ने कहा, 'रूस शैडो फ्लीट का इस्तेमाल करके अपना तेल और गैस बेच रहा है, जिसका मतलब है कि इसे बाजार भाव से कम कीमत पर खरीदा जा रहा है और इसकी आपूर्ति मुख्य रूप से चीन और भारत जैसे देशों को हो रही है।' उन्होंने कहा, 'चीन रूसी तेल और गैस का सबसे बड़ा उपयोगकर्ता है और हमें केवल पुतिन ही नहीं, बल्कि चीन तथा रूसी तेल और गैस खरीदने वाले हर देश को यह कड़ा संदेश देने की जरूरत है कि इसकी कीमत उन्हें चुकानी होगी।'

UPI चार्ज का असर

दुकानदार बढ़ा सकते हैं दाम और कम कर सकते हैं डिस्काउंट

कितनी खरीदारी पर कितना चार्ज

3,000 की खरीदारी पर MDR : 12 रुपए
10,000 की खरीदारी पर : 40 रुपए
25,000 की खरीदारी पर : 100 रुपए
50,000 की खरीदारी पर : 200 रुपए
75,000 की खरीदारी पर : 300 रुपए
1 लाख की खरीदारी पर भी अधिकतम : 300 रुपए

नई दिल्ली. त्योहारों के सीजन से पहले UPI से बड़ी खरीदारी करने वालों के लिए नया नियम झटका देने वाला है। 2,000 रुपये से ज्यादा के UPI पेमेंट पर 0.4% MDR देना होगा। ऐसी स्थिति में दुकानदार सामान के दाम बढ़ा सकते हैं या त्योहारों पर मिलने वाले डिस्काउंट को कम कर सकते हैं। यह आशंका जताई है रिटेलर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने।

बता दें रिटेलर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के CEO ने कहा कि दाम बढ़ सकते हैं या फेस्टिवल डिस्काउंट कम हो सकते है। रिलायंस रिटेल, क्रोमा, D Mart, शॉपर्स स्टॉप , V मार्ट जैसी कंपनियां इस एसोसिएशन की सदस्य हैं।

नए नियम के मुताबिक, 15 अक्टूबर से 2,000 रुपे से ज्यादा की खरीदारी पर अगर आपने दुकानदार को पेमेंट गूगल पे, फोनपे, अमेजन पे, भारत पे या किसी भी UPI से पेमेंट किया तो उसपर 0.4% शुल्क लगेगा। नए नियम के अनुसार 75,000 रुपये या उससे ज्यादा के पेमेंट पर यह शुल्क अधिकतम 300 रुपये होगा।

वैसे तो ग्राहक को UPI से पेमेंट करते समय इन पैसों को अलग से नहीं देना है, लेकिन दुकानदार अगर अपनी लागत निकालने के लिए सामान महंगा करता है या डिस्काउंट घटाता है, तो इसका असर ग्राहक पर पड़ सकता है।

छोटे दुकानदारों पर सबसे ज्यादा मार

छोटे रिटेलर्स जो पहले से ही कम मुनाफे पर काम कर रहे हैं, उनके लिए यह शुल्क और मुश्किलें खड़ी करेगा। उद्योग जगत का मानना है कि इससे छोटे दुकानदार डिजिटल पेमेंट छोड़कर वापस नकदी की ओर लौट सकते हैं, जिससे डिजिटल इंडिया की कोशिशों को झटका लगेगा। एक बड़े डिपार्टमेंटल स्टोर चेन के रिटेलर ने कहा कि उनके यहां बिकने वाले ब्रांड्स ने कीमतें बढ़ाने या छूट घटाने की बात कहनी शुरू कर दी है।

शहजाद भट्टी का नेटवर्क आतंकी संगठन घोषित

- सरकार ने UAPA के तहत कार्रवाई की
- ड्रग्स-विस्फोटक की तस्करी और युवाओं को भड़काने का आरोप

नई दिल्ली. गृह मंत्रालय ने 'शहजाद भट्टी नेटवर्क' को 'गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम' के तहत आतंकवादी संगठन घोषित कर दिया है। गृह मंत्रालय के मुताबिक भट्टी का ग्रुप हथियारों, विस्फोटकों और ड्रग्स की तस्करी करता है। साथ ही युवाओं और छोटे-मोटे अपराधियों को भड़काने में भी शामिल है।

सरकार का कहना है कि यह सिंडिकेट भारत के लोकतांत्रिक ढांचे, सांप्रदायिक सद्भाव को निशाना बनाते हुए, नफरत फैलाने वाला डिजिटल कंटेंट भी पब्लिश करता था। इससे पहले भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने अगस्त में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI से जुड़े इस नेटवर्क को ध्वस्त करने की जानकारी दी थी।

एजेंसियों ने 14 राज्यों में कार्रवाई करते हुए नेटवर्क के 200 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया था। 12 अगस्त की रिलीज के मुताबिक राज्य पुलिस बलों के साथ जॉइंट ऑपरेशन चलाया था।

- 80 से ज्यादा FIR दर्ज

गृह मंत्रालय के मुताबिक, शहजाद भट्टी नेटवर्क के खिलाफ अब तक 80 से ज्यादा FIR दर्ज की जा चुकी हैं। ये मामले UAPA, भारतीय न्याय संहिता, आर्म्स एक्ट, नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस एक्ट और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत दर्ज किए गए हैं।

मंत्रालय ने कहा कि बरामद IED, पाकिस्तान ऑर्डनेंस फैक्ट्री की मार्किंग वाले ग्रेनेड, पिस्तौल, जिंदा कारतूस और जासूसी के लिए इस्तेमाल सीसीटीवी कैमरे इस नेटवर्क के सीधे सीमा पार संबंधों की पुष्टि करते हैं।

NIA का दावा- ब्राजील में छिपा है भट्टी

पाकिस्तानी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर शहजाद भट्टी में ब्राजील में छिपा हुआ है। जुलाई में पंजाब से जुड़े आतंकी हमलों की जांच कर रही राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) की जांच में इसका खुलासा किया था। NIA का दावा है कि भट्टी, ब्राजील से विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए युवाओं को अपने साथ जोड़ता है और फिर उन्हें अपने एक वॉट्सएप ग्रुप में जोड़कर उनसे घटनाओं को अंजाम दिलवाता है।

लखनऊ में नकली नोटों का रैकेट पकड़ाया

सहारनपुर. सहारनपुर में करेंसी चेस्ट के अंदर 17 करोड़ से ज्यादा के नकली नोटों की बरामदगी के बीच राजधानी लखनऊ में नकली नोटों का रैकेट पकड़ा गया है। बस और ट्रेन से नकली नोटों की खेप दिल्ली से लखनऊ पहुंचाई जा रही थी। पुलिस और खुफिया एजेंसियों की आंखों में धूल झोंककर सरगना हारुन एजेंटों के जरिए आनंद विहार और अन्य बस अड्डों से नकली नोटों की खेप भेजता था। नोटों के बंडल प्लास्टिक और बाक्स में पैक होते थे। आलमबाग बस अड्डे अथवा आगरा एक्सप्रेस वे पर हारुन के भाई पहुंचकर खेप की डिलीवरी लेते थे।

चांदनी से शादी के लिए मुसलमान बना आयुष

- पिता ने कर लिया 'कैद', HC बोला- वो आजाद है

प्रयागराज. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 31 वर्षीय आयुष मलिक को आजाद कर दिया है। कोर्ट के सामने आयुष ने कहा कि उसने अपनी इच्छा से इस्लाम धर्म अपनाया है और वह एक मुस्लिम महिला से शादी करना चाहता है। उसके पिता ने इस फैसले का विरोध किया था और आरोप लगाया था कि उनके बेटे को प्रभावित या 'ब्रेनवॉश' किया गया है।

हाईकोर्ट ने कहा कि बालिग व्यक्ति आम तौर पर अपनी अंतरात्मा के अनुसार अपना धर्म तय करने के लिए स्वतंत्र है। कोर्ट ने यह भी कहा कि वह अपनी पसंद के धर्म को मानने और उसका पालन करने के लिए स्वतंत्र है। साथ ही, कानून के मुताबिक अपने वैवाहिक संबंध के बारे में उचित फैसला भी ले सकता है।

पिता पर लगाया था अवैध हिरासत में रखने का आरोप

- यह मामला बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका से जुड़ा था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि इस्लाम अपनाने और एक मुस्लिम महिला से शादी करने के फैसले के बाद आयुष को उसके पिता ने कैद कर लिया था।
- 9 सितंबर को हाईकोर्ट ने पिता को निर्देश दिया था कि आयुष को 16 सितंबर को कोर्ट के सामने पेश किया जाए। बुधवार को शामली पुलिस ने आयुष को हाईकोर्ट में पेश किया।
- कोर्ट के सामने आयुष ने कहा कि उसने अपनी इच्छा से इस्लाम अपनाया है और वह एक मुस्लिम महिला से शादी करना चाहता है। उसने दावा किया कि उसके पिता को उसका यह फैसला पसंद नहीं था।

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने 'आरक्षण विरोधी प्रदर्शन' रोकने पर लगाई फटकार

- कहा- बैन कैसे लगा सकते हैं?

नई दिल्ली. दिल्ली हाई कोर्ट ने 'आरक्षण के खिलाफ प्रदर्शन' के लिए दिल्ली में इजाजत नहीं देने पर पुलिस को फटकार लगा दी है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने क्षत्रिय करणी सेना की ओर से दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए सवाल उठाया कि इस तरह ब्लैंकेट बैन (पूर्ण प्रतिबंध) कैसे किया जा सकता है।

करणी सेना की ओर से पेश हुए अधिवक्ता रोशन धनाई ने अदालत को बताया कि दो याचिकाएं उनकी ओर से दायर की गई हैं। पहली मेटा, फेसबुक, इंस्टाग्राम और वॉट्सऐप की ओर से अकाउंट सस्पेंड किए जाने को लेकर है। उन्होंने कहा कि बाद में इंस्टाग्राम अकाउंट को बहाल कर दिया गया। लेकिन फेसबुक अकाउंट पर लाइव वीडियो और वॉट्सऐप नंबर अभी तक सस्पेंड हैं। दूसरी याचिका जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति को लेकर है। अदालत ने दिल्ली पुलिस से आवेदन पर विचार करने को कहा गया था।

धनाई ने कहा, 'एसीपी ने हमें बुलाया और कहा कि अनुमति दी जाएगी। इसके बाद उन्होंने 15 तारीख को एक लेटर भेजकर कहा कि इजाजत नहीं दी जा सकता है क्योंकि हमें आशंका है कि आप जितना दावा कर रहे हैं उससे अधिक लोग आ सकते हैं और इन्हें नियंत्रित नहीं किया जा सकेगा।'

जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने आगे कहा, 'पिछली तारीख पर मैंने भी साफतौर पर कहा था कि आप शर्तें और कुछ बंदिशें लगा सकते हैं और फिर उन्हें इजाजत दे सकते हैं और यह सिर्फ कुछ घंटों के लिए है। आप कुछ शर्तें लगा दीजिए और अनुमति दीजिए। आप मना कैसे कर सकते हैं?'

कुछ शर्तों के साथ देनी चाहिए थी अनुमति, मना कैसे किया: जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा

इस पर जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने दिल्ली पुलिस से पूछा, 'आपने खारिज कर दिया? क्यों? क्या इस तरह का आदेश दिया जा सकता है? बस इसलिए कि आपको आशंका हैं कि कुछ लोग आ सकते हैं? आप ऐसा आदेश कैसे दे सकते हैं?'

'भारत की सैन्य क्षमताओं का सम्मान करते हैं'

- पाकिस्तानी सेना बोली- हम उनके साथ रेस में नहीं

पाकिस्तान के शीर्ष सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने भारत की बढ़ती सैन्य क्षमताओं को स्वीकार किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान नई दिल्ली के साथ किसी तरह की हथियारों की दौड़ में शामिल नहीं है।

अल अरेबिया इंग्लिश को दिए इंटरव्यू में चौधरी से भारत की एयर डिफेंस, मिसाइल और पारंपरिक स्ट्राइक क्षमताओं में हो रहे विकास को लेकर पाकिस्तान की चिंता के बारे में पूछा गया था। इसके जवाब

में उन्होंने कहा कि पाकिस्तान भारत की सैन्य क्षमताओं का "सम्मान" करता है और नई दिल्ली के अपने रक्षा भंडार को मजबूत करने के प्रयासों को समझता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का फोकस रक्षात्मक क्षमताओं पर है और किसी भी देश के खिलाफ उसका "कोई आक्रामक इरादा" नहीं है।

लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने कहा, "हम भारतीय सैन्य क्षमताओं का सम्मान करते हैं। हम उनकी अपनी सैन्य ताकत और क्षमताओं को बढ़ाने के लिए बड़ी मात्रा में पैसा और संसाधन खर्च करने की इच्छा को समझते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हम भारतीयों के साथ किसी भी तरह की हथियारों की दौड़ में हैं।"

ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब भारत अपने घरेलू रक्षा विनिर्माण आधार को लगातार मजबूत कर रहा है।

मिसाइल और एयर डिफेंस क्षमता बढ़ा रहा भारत

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत के इस प्रयास को और गति मिली है। मई 2025 में भारत ने 1,460 करोड़ रुपये की नवदुर्गा डिफेंस टेस्टिंग रेंज की आधारशिला रखी। जुलाई 2026 में प्रोजेक्ट कुशा के तहत भारत ने स्वदेशी लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल कार्यक्रम का पहला फ्लाइट टेस्ट किया। इस कार्यक्रम में मिसाइल की अधिकतम मारक क्षमता 400 किलोमीटर तक रखने की योजना है। पिछले महीने सरकार ने पारंपरिक मिसाइल प्रणालियों से जुड़ी डीआरडीओ तकनीकों को भारतीय कंपनियों को ट्रांसफर करने की मंजूरी दी। इससे ऐसी प्रणालियों के विकास और उत्पादन में निजी क्षेत्र की भूमिका बढ़ेगी।

कांग्रेस विधायक की भतीजी को बिना काम 70 हजार सैलरी

- 6 महीने से सरकारी क्लीनिक नहीं गई
- नौकरी के साथ पढ़ाई करने का आरोप

बागलकोट. कर्नाटक के बागलकोट में सरकारी क्लीनिक की मेडिकल ऑफिसर डॉ. अंकिता यरगल पर नौकरी के साथ निजी मेडिकल कॉलेज से फुल टाइम पढ़ाई करने का आरोप है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने करीब 6 महीने तक नम्मा क्लीनिक में ड्यूटी नहीं की, फिर भी उन्हें हर महीने 70 हजार रुपए से ज्यादा सैलरी मिलती रही।

डॉ. अंकिता बागलकोट से कांग्रेस विधायक उमेश मेटी की भतीजी हैं। उनके पिता राजकुमार यरगल बागलकोट के जिला स्वास्थ्य अधिकारी (DHO) हैं। मामला सामने आने के बाद पिता ने ही डॉ. अंकिता को ड्यूटी से हटाने के निर्देश दिए।

अगर जांच में यह साबित होता है कि डॉ. अंकिता ने सरकारी नौकरी के दौरान नियमों के खिलाफ पोस्ट ग्रेजुएशन (PG) की पढ़ाई की और उस दौरान सरकारी सैलरी ली तो उन्हें सैलरी लौटानी पड़ेगी।

मार्च से सितंबर तक क्लीनिक से गैरहाजिरी का आरोप

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मामले का मुख्य विवाद डॉ. अंकिता के निजी मेडिकल कॉलेज में फुलटाइम PG में एडमिशन को लेकर है। अधिकारियों के मुताबिक, उन्होंने मार्च में PG शुरू की, लेकिन मेडिकल ऑफिसर की नौकरी से इस्तीफा नहीं दिया। वह अप्रैल 2025 से बागलकोट की वाम्बे कॉलोनी स्थित नम्मा क्लीनिक में कॉन्ट्रैक्ट/आउटसोर्स आधार पर काम कर रही थीं। आरोप है कि 3 मार्च से सितंबर तक डॉ. अंकिता PG की पढ़ाई के साथ क्लीनिक की नौकरी पर बनी रहीं, लेकिन इस दौरान ड्यूटी पर नहीं पहुंचीं। यानी उन्होंने एक साथ फुल टाइम PG और सरकारी स्वास्थ्य सेवा से जुड़े क्लीनिक की नौकरी जारी रखी। अधिकारियों के मुताबिक, क्लीनिक में मेडिकल ऑफिसर के नहीं पहुंचने से मरीजों और स्थानीय लोगों को परेशानी हुई। इसी मामले में उनके खिलाफ अनधिकृत दोहरी व्यस्तता और ड्यूटी में लापरवाही की जांच की जा रही है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे टीम में रोहित-विराट

- जडेजा की 8 महीने बाद वापसी
- हार्दिक-पंत को जगह नहीं
- टी-20 में सूर्यवंशी बरकरार

वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 वनडे और 5 टी-20 की सीरीज के लिए टीम इंडिया का ऐलान हो गया है। वनडे में रोहित शर्मा और विराट कोहली बरकरार हैं। शुभमन गिल कप्तान और केएल राहुल उपकप्तान होंगे। रवींद्र जडेजा 8 महीने बाद लौटे हैं। उन्होंने अपना पिछला वनडे जनवरी 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ खेला था।

बुधवार को हार्दिक पंड्या और ऋषभ पंत को टीम में जगह नहीं मिली। पंजाब के नमन धीर और जम्मू-कश्मीर के आकीब नबी को पहली बार वनडे टीम में चुना गया है। टी-20 में श्रेयस अय्यर कप्तान और तिलक वर्मा उपकप्तान होंगे। 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को भी टीम में शामिल किया गया है। नीतीश कुमार रेड्डी को एशियन गेम्स की टीम से हटाकर वनडे में जगह दी गई है।

- महीने बाद फिर मैदान में दिखेंगे रोहित-कोहली

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने जुलाई में इंग्लैंड के

खिलाफ वनडे सीरीज खेली थी। तीसरे वनडे में रोहित ने लॉर्ड्स पर 137 रन की पारी खेली थी। विराट ने दूसरे वनडे में 65 और तीसरे में 74 रन बनाए थे। तीन मैचों में उनके नाम 144 रन रहे।

रोहित की जगह को लेकर इंग्लैंड दौरे के दौरान चर्चा जरूर हुई थी, लेकिन चयनकर्ताओं ने वेस्टइंडीज सीरीज के लिए उन्हें टीम में बनाए रखा है।

- जुरेल बैकअप विकेटकीपर

श्रेयस अय्यर एशियन गेम्स के लिए जापान जाएंगे। इसलिए राहुल को उप कप्तान बनाया गया है। राहुल विकेटकीपर-बल्लेबाज भी हैं। ध्रुव जुरेल को उनके बैकअप विकेटकीपर के रूप में चुना गया है।

- नमन धीर ने पंजाब लीग में 173 रन की पारी खेली

नमन को इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए चुना गया था। 2026 में शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग के 10 मैचों में उन्होंने 655 रन बनाए। स्ट्राइक रेट 217.61 और बेस्ट स्कोर 173 रन रहा। वे बल्लेबाजी के साथ ऑफ स्पिन भी कर सकते हैं।

6 बार के पूर्व मंत्री राम आश्रय कुशवाहा की सपा में वापसी

लखनऊ. 6 बार के पूर्व मंत्री राम आश्रय कुशवाहा ने गुरूवार को बीजेपी छोड़कर समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है। उन्होंने सपा की सदस्यता ले ली। राम आश्रय कुशवाहा ने 13 साल बाद सपा में वापसी की है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प लिया है। सपा में शामिल होने के बाद उन्होंने कहा कि उन्हें आज भी ऐसा महसूस होता है कि नेताजी उनके बीच मौजूद हैं। कुशवाहा ने कहा कि अखिलेश यादव को भी वही पदवी और सम्मान मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, ''जहां सम्मान होगा, वहीं कुछ मिलेगा, जहां सम्मान नहीं होगा, वहां कुछ नहीं मिलेगा, चाहे राजनीति हो, रिश्तेदारी हो या व्यवसाय हो।

संक्षेप...

दुष्कर्म के मामले में युवक गिरफ्तार

पनवेल. पनवेल में रहने वाले 24 वर्षीय एक युवक द्वारा 17 वर्षीय नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर यौन उत्पीड़न करने और उसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी देने का मामला सामने आया है. इस संबंध में तुर्भे पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. पीड़िता महाड की रहने वाली है और आरोपी पनवेल का निवासी है. दोनों की पहचान नेरुल स्थित एक होटल मैनेजमेंट संस्थान में पढ़ाई के दौरान हुई थी. पुलिस के अनुसार 17 अगस्त 2026 को आरोपी पीड़िता को अपनी बाइक पर पनवेल स्थित अपने घर ले गया.

मनोज जरांगे ने 20 दिन बाद तोड़ा अनशन

■ मराठा आरक्षण के लिए सरकार को दिया अल्टीमेटम

मुंबई. महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की मांग को लेकर 20 दिन से अनशन पर बैठे मराठा नेता मनोज जरांगे पाटिल ने अपना अनशन आखिरकार तोड़ दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आंदोलन के लिए जालना से मुंबई के लिए निकले जरांगे पाटिल ने सरकार के एक डेलिगेशन के साथ मुलाकात के बाद अपनी भूख हड़ताल स्थगित की है। इससे पहले बीड़ के पाटोदा में तड़के 6 बजे फडणवीस सरकार का एक प्रतिनिधिमंडल जरांगे से मिलने पहुंचा था।

अनशन तोड़ने के बाद मनोज

जरांगे ने स्पष्ट किया कि उन्होंने भूख हड़ताल भले ही खत्म किया हो, लेकिन मराठा आरक्षण के लिए आंदोलन जारी रहेगा। सरकार को 3 महीने की डेडलाइन देते हुए जरांगे ने चेतावनी दी कि अगर सरकार वादे से मुकरी या डराने की कोशिश की, तो मराठा समाज मुंबई पहुंचकर रहेगा।

■ सरकार का डेलिगेशन जरांगे से मिला

एबीपी न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार तड़के वरिष्ठ मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, मंत्री दादा भूसे, विधायक प्रसाद लाड, विधायक सुरेश धस और बीड़ के जिलाधिकारी जरांगे से मिलने पाटोदा पहुंचे। प्रतिनिधिमंडल के साथ लंबी चर्चा के बाद सुबह 6 बजे एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। इस दौरान जरांगे ने उन्होंने कहा, ₹मैं आज भूख हड़ताल स्थगित कर रहा हूं, लेकिन आंदोलन जारी रहेगा। सरकार को तीन महीने का समय दे रहा हूं। अगर सरकार ने वादा नहीं निभाया या दबाव बनाने की कोशिश की तो हम मुंबई पहुंचेंगे।₹ वहीं जरांगे ने मुंबई की ओर बढ़ रहे अपने समर्थकों से वापस लौटने की अपील की है।

■ क्या है मनोज जरांगे की मांगें?

मनोज जारंगे ने सरकार के सामने कई मांगें रखीं हैं। इन मांगों को लेकर वे बीते 29 दिनों से अनशन पर थे। रिपोर्ट के मुताबिक अब सरकार ने उनकी मांगों पर विचार करने का आश्वासन दिया है।

■ सरकार ने क्या आश्वासन दिया?

सरकारी प्रतिनिधिमंडल ने जारंगे को भरोसा दिया कि सातारा, कोल्हापुर, पुणे और औंध के गजट तीन महीने के भीतर लागू करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। वहीं हैदराबाद गजट के आधार पर कुणबी प्रमाणपत्र जारी करने के लिए संशोधित जीआर भी लाया जाएगा। इसके अलावा शिंदे समिति के 58 लाख रिकॉर्ड में कटौती नहीं की जाएगी।

मनोज जरांगे की प्रमुख मांगें हैं...

हैदराबाद गजट के आधार पर कनबी प्रमाणपत्र और उसकी वैधता दी जाए।
सातारा, कोल्हापुर, पुणे और औंध गजट को तीन महीने के भीतर लागू किया जाए।
शिंदे समिति को मिले 58 लाख कुनबी रिकॉर्ड में एक भी रिकॉर्ड कम न किया जाए और इसकी लिखित गारंटी दी जाए।
मराठवाड़ा के चार जनप्रतिनिधियों के रद्द किए गए कुनबी प्रमाणपत्र फिर से वैध किए जाएं।
सरकार जीआर जारी कर स्पष्ट करे कि मराठा और कुनबी एक ही समुदाय हैं।

चांदनी बार पर पुलिस ने की कार्रवाई

उल्हासनगर. शहर के 17 सेक्शन इलाके में स्थित 'चांदनी बार एंड रेस्टोरेंट' नामक एक ऑर्केस्ट्रा बार पर सेंट्रल पुलिस की टीम ने आधी रात को छापा मारकर अश्लील नृत्य और अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है. ग्राहकों को लुभाने के उद्देश्य से चल रही इस गतिविधि से जुटाई गई 10,400 रुपए की नकद राशि पुलिस ने मौके से जब्त कर ली है. इस कार्रवाई में पुलिस ने बार मैनेजर वीरेंद्र रमेश सिंह, वेटर, बार मालिक, ग्राहकों और महिला गायिकाओं सहित 18 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है. अपराध शाखा यूनिट 4 के पुलिस सिपाही प्रसाद राजन तांडलीकर की शिकायत पर मध्यवर्ती पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है और सहायक पुलिस निरीक्षक बालासाहेब कोबरणे इस मामले की आगे की जांच कर रहे हैं.

ज़िला परिषद ने 'सेवा संकल्प अभियान' किया शुरू

■ सभी विभागों से सरकारी योजनाओं का फ़ायदा गाँव वालों तक पहुँचाने की अपील

ठाणे. ज़िला परिषद, ठाणे के हॉल में आज, 17 सितंबर, 2026 को ज़िला परिषद के चीफ़ एग्ज़ीक्यूटिव ऑफ़िसर रंजीत यादव की अध्यक्षता में 'सेवा संकल्प अभियान' शुरू किया गया। इस अभियान का मुख्य मकसद गाँव वालों तक अलग-अलग सरकारी योजनाओं और सेवाओं को ज़्यादा अच्छे से पहुँचाना, नागरिकों को सरकारी योजनाओं की जानकारी देना और विभागों के बीच तालमेल बढ़ाना है ताकि यह पक्का हो सके कि योग्य लाभार्थियों को योजनाओं

का फ़ायदा मिले। मुख्य मार्गदर्शन देते हुए, चीफ़ एग्ज़ीक्यूटिव ऑफ़िसर रंजीत यादव ने ज़िले में 'सेवा संकल्प अभियान' को तेज़ी से आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने कहा, "हर डिपार्टमेंट को इस कैंपेन को असरदार और कामयाब तरीके से लागू करने में एक्टिवली हिस्सा लेना चाहिए। सरकारी स्कीम और सर्विस का फायदा सही लोगों तक पहुंचाना हम सबकी मिली-जुली ज़िम्मेदारी है। सभी को नागरिकों से सीधे बातचीत करके उनकी दिक्कतों को समझने और उन्हें ज़रूरी सर्विस और स्कीम का फायदा दिलाने की कोशिश करनी चाहिए।"

चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर रंजीत यादव ने बताया कि जिले में 'मुख्यमंत्री समृद्धि पंचायत राज अभियान' भी चलाया जा रहा है। इस कैंपेन के साथ-साथ, उन्होंने 'सेवा संकल्प अभियान' के ज़रिए ग्रामीण इलाकों में नागरिकों तक सरकारी सर्विस को और असरदार तरीके से पहुंचाने के लिए सभी संबंधित डिपार्टमेंट को कोऑर्डिनेशन से काम करने की ज़रूरत पर ज़ोर दिया। प्रोग्राम में एडिशनल चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर अजिंक्य पवार, डिस्ट्रिक्ट प्रोग्राम ऑफिसर शोभा शेलार, डिस्ट्रिक्ट हेल्थ ऑफिसर डॉ. गंगाधर पारगे, डिप्टी चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (स्वच्छ भारत मिशन) पंडित राठौड़, एजुकेशन ऑफिसर (सेकेंडरी) देवीदास महाजन, डिस्ट्रिक्ट एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट ऑफिसर मुनीर बचोटिकर, सोशल वेलफेयर डिपार्टमेंट हेड उज्ज्वला सपकाले के साथ-साथ ज़िला परिषद के अलग-अलग डिपार्टमेंट के ऑफिसर और कर्मचारी मौजूद थे।

प्रोग्राम की शुरुआत करते हुए, डिप्टी चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (ग्राम पंचायत) प्रमोद काले ने कहा कि इस कैंपेन को सिर्फ़ एक डिपार्टमेंट तक सीमित न रखकर सभी डिपार्टमेंट को एक्टिव रूप से हिस्सा लेकर सफल बनाने की ज़रूरत है। इस मौके पर मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों ने 'स्वच्छता ही सेवा, सेवा संकल्प' के नारे के साथ गांव के लोगों तक असरदार तरीके से पहुंचने की शपथ ली। प्रोग्राम को एक्सटेंशन ऑफिसर हीरामन खाड़े ने कोऑर्डिनेट किया। प्रोग्राम के आखिर में, डिप्टी चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (स्वच्छ भारत मिशन), पंडित राठौड़ ने मौजूद अधिकारियों और कर्मचारियों को धन्यवाद दिया.

'जनता की सेवा ही प्रशासन का सच्चा धर्म'

ठाणे. प्रशासन सिस्टम को और ज़्यादा सेंसिटिव, कुशल और लोगों को ध्यान में रखकर बनना चाहिए और सरकारी योजनाओं का फ़ायदा समाज के आखिरी तबके तक आसानी से पहुंचाना चाहिए। सभी प्रशासनिक डिपार्टमेंट को मिलकर तालमेल बिठाना चाहिए और लगातार जनता की सेवा करनी चाहिए, यही हमारा सच्चा धर्म है, और सभी को ज़िम्मेदारी और लगातार कोशिशों से ज़रूरतमंद लोगों को मेनस्ट्रीम में लाना चाहिए, यह बात कोंकण डिविजनल कमिश्नर रूबल अग्रवाल ने आज यहां कही।

'सेवा संकल्प' कैंपेन आज कोंकण डिविजनल कमिश्नर रूबल अग्रवाल की मौजूदगी में कलेक्ट्रेट ऑफिस की पांचवीं मंज़िल पर कमिटी हॉल में बड़े जोश के साथ शुरू किया गया। इस

अवसर पर जिला कलेक्टर डॉ. श्रीकृष्ण पांचाल, अतिरिक्त जिला कलेक्टर हरिश्चंद्र पाटिल, जिला अधीक्षक भूमि अभिलेख नितिन पाटिल, निवासी उप जिला कलेक्टर डॉ. संदीप माने, विभागीय आयुक्त कार्यालय के उप जिला कलेक्टर गणेश महाडिक, उप जिला कलेक्टर वरुण कुमार सहारे, शशिकांत गायकवाड़, उपजिला चुनाव अधिकारी वैशाली माने, जिला खनि अधिकारी विवेक घुले, प्रांतीय अधिकारी उर्मिला पाटिल, जिला ग्रामोद्योग अधिकारी रमेश सुरुंग, तहसीलदार सचिन चौधर, रेवन लेम्बे, संदीप थोरात, उमेश पाटिल, प्रदीप कुडाल, विकास गरुड़कर और अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

गणेशोत्सव के दौरान जमा हुए

18 हज़ार 600 किलो निर्माल्य का साइंटिफिक मैनेजमेंट

ठाणे. मनपा की इको-फ्रेंडली गणेशोत्सव पहल को लोगों से तुरंत रिस्पॉन्स मिल रहा है, और गणेशोत्सव के दौरान जमा हुए निर्मल का साइंटिफिक तरीके से मैनेजमेंट किया जा रहा है। 15 सितंबर, 2026 को डेढ़ दिन में 20 हज़ार 703 गणेश मूर्तियों का विसर्जन किया गया, और लगभग 18 हज़ार 600 kg निर्मल जमा हुआ।मनपा के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट डिपार्टमेंट के ज़रिए जमा हुए निर्मल का डीसेंट्रलाइज़्ड तरीके से मैनेजमेंट किया जा रहा है।

हीरानंदानी एस्टेट, रितु पार्क और कौसा में मैकेनिकल बायो-कम्पोस्टिंग प्रोजेक्ट्स में निर्मल को साइंटिफिक तरीकों से प्रोसेस किया जा रहा है। जमा हुए निर्मल में से लगभग 3 परसेंट में प्लास्टिक बैग पाए गए हैं। इस प्लास्टिक को कचरे से अलग करके अलग से डिस्पोज़ किया जा रहा है, और इसका मैनेजमेंट MRF सेंटर में किया जा रहा है।

मनपा ने गणेश उत्सव के दौरान बड़ी मात्रा में पैदा होने वाले कचरे को ठीक से इकट्ठा करने, क्लासिफ़ाई करने और प्रोसेस करने और उसे दोबारा इस्तेमाल करने का प्लान बनाया है। इसके ज़रिए नदियों, झीलों, खाड़ियों या पानी के दूसरे सोर्स में कचरा जाने से रोककर पानी के प्रदूषण को रोकने में मदद मिल रही है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे भी ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के इको-फ्रेंडली मैनेजमेंट में सहयोग करें।

खोनी-तलोजा हाईवे पर 16.8 टन गोमांस ज़ब्त

■ हिललाइन पुलिस स्टेशन में केस दर्ज

उल्हासनगर. उत्तर प्रदेश से ठाणे ज़िले में लाए गए 16.8 टन गोमांस के एक कंटेनर को अंबरनाथ तालुका में गौरक्षकों ने ज़ब्त कर लिया। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ता इस कंटेनर पर नज़र रखे हुए थे, जो खोनी-तलोजा हाईवे पर संदिग्ध रूप से अपना रास्ता बदल रहा था। आखिर में, जब कंटेनर को नान्हेण से उसाटने इलाके में रोककर पुलिस की मौजूदगी में जांच की गई, तो उसमें बड़ी मात्रा में गोमांस मिला। इसके बाद उल्हासनगर के हिललाइन पुलिस स्टेशन में केस दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

बजरंग दल के कार्यकर्ताओं से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश से यह कंटेनर नवी मुंबई की ओर जा रहा था। इसके बाद गौरक्षकों की टीम को शक हुआ क्योंकि इसकी लोकेशन बार-बार बदल रही थी। खास बात यह है कि इस कंटेनर के कोल्ड स्टोरेज से लाल पानी गिर रहा था. इसलिए कंटेनर पर नज़र रखी जा रही थी। जैसे ही कंटेनर खोनी तलोजा हाईवे से उसाटने इलाके में घुसा, कार्यकर्ताओं ने उसका पीछा करके उसे रोक लिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि उस कंटेनर में करीब 16.8 टन मीट था और वज़न बढ़ने की उम्मीद है।

शक है कि कंटेनर में रखा मीट खोनी-तलोजा हाईवे पर एक वेयरहाउस में बने कोल्ड स्टोरेज में रखने के लिए लाया गया था। बताया गया है कि जिस वेयरहाउस की बात हो रही है, वह एक BJP MLA की कंपनी के अंडर है। इसलिए इस कार्रवाई के बाद ठाणे पुलिस कमिश्नरेट में हड़कंप मच गया है। हालांकि, अभी तक पुलिस की तरफ से इस दावे की पुष्टि नहीं हुई है। हालांकि, हिंदुत्व संगठन अब उस कोल्ड स्टोरेज पर नज़र रख रहे हैं, जहां मीट रखा जाना था।

पुलिस ने कंटेनर ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है और जांच शुरू कर दी गई है। कंटेनर भी हिललाइन पुलिस की हिरासत में है और नेवाली चौकी के परिसर में है। इस मामले में उल्हासनगर के हिललाइन पुलिस स्टेशन में केस दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। ज़ब्त किया गया मीट असल में कैसा है, यह उसकी जांच के बाद ही साफ़ होगा।

भिवंडी में इलेक्ट्रिशियन को लगा करंट... युवक की मौत!

भिवंडी. भिवंडी शहर के शांति नगर इलाके में बुधवार को एक दर्दनाक हादसा सामने आया। बिजली का काम कर रहे 22 वर्षीय इलेक्ट्रिशियन की कथित तौर पर करंट लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान बिलाल नगर निवासी अफ्फान फिरोज सैयद के रूप में हुई है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने युवक को बचाने का प्रयास किया और तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बिजली का काम करते समय हुआ हादसा प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, अफ्फान फिरोज सैयद शांति नगर क्षेत्र में बिजली से जुड़ा काम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक उन्हें तेज बिजली का झटका लग गया। बताया जा रहा है कि करंट लगने के बाद वह गंभीर रूप से घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। अचानक हुए इस हादसे को देखकर आसपास मौजूद लोग घबरा गए और तुरंत उनकी मदद के लिए दौड़े। स्थानीय लोगों ने पहुंचाया अस्पताल घटना के बाद स्थानीय लोगों ने बिना देरी किए अफ्फान को उठाया और इलाज के लिए नजदीकी निजी अस्पताल लेकर पहुंचे।

अस्पताल में डॉक्टरों ने उनकी जांच की, लेकिन उनकी हालत गंभीर होने के कारण उन्हें बचाया नहीं जा सका। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवार में छाया मातम 22 वर्षीय अफ्फान की मौत की खबर मिलते ही परिवार में शोक का माहौल फैल गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अफ्फान बिजली का काम करके अपना परिवार चलाते थे।

'छठी मैया' गाने की शूटिंग में भावुक हुई -तमन्ना

■ बिहार कल्चर में ढलते सूरज का सम्मान

एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने छठ पूजा के बारे में कहा है की वे इस पर्व के बारे में ज्यादा नहीं जानती थीं। लेकिन जब उन्होने अपने नए गाने 'छठी मैया' की शूटिंग की तो वे भावुक हो गईं थीं।

फिल्म 'वन' (Vvan) के ट्रेलर लॉन्च इवेंट पर तमन्ना ने कहा की वे मुंबई में पली-बढ़ी हैं। जब वे जुहू बीच पर छठ पूजा की भीड़ देखती थीं, लेकिन इस त्योहार की परंपराओं के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं थी। शूटिंग के दौरान उन्हें पता चला कि इसमें 36 घंटे का कठिन निर्जला व्रत रखा जाता है।

मीडिया से बात करते हुए तमन्ना भाटिया ने कहा कि आजकल लोग ग्रैटिट्यूड (आभार) और मैनिफेस्टेशन की बहुत बातें करते हैं। यह बिहारी संस्कृति का एक बहुत सुंदर हिस्सा है।

आमतौर पर हर कोई उगते हुए सूरज को प्रणाम करता है, लेकिन छठ पूजा में डूबते हुए सूरज को भी उतना ही सम्मान और महत्व दिया जाता है।

एक्ट्रेस ने बताया कि जब वे इस गाने का सीक्वेंस शूट कर रही थीं, तब अपने आप उनकी आंखों में आंसू आ गए थे।

36 घंटे के निर्जला व्रत के बारे में जाना

तमन्ना ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि वे बचपन से मुंबई में रही हैं। जुहू बीच पर छठ के मौके पर बड़ी संख्या में लोगों को जुटते हुए देखती थीं, लेकिन इसके पीछे के नियमों की जानकारी नहीं थी। इस गाने की शूटिंग के दौरान उन्हें पता चला कि लोग देवी की उपासना के लिए 36 घंटे तक बिना पानी पिए कठिन उपवास रखते हैं। उन्होंने कहा कि एक कलाकार के तौर पर वे सिर्फ एक माध्यम हैं और कुछ अहसास हमारे वश से बाहर होते हैं।

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा मैं श्रीमती हीना अनिल तलरेजा सभी को सूचित कर रही हूं कि मेरे पति श्री अनिल इंदरलाल तलरेजा का देहांत 19 जनवरी 2020 को हो गया है. उनके नाम पर गाड़ियां MH05 CF 2796 व MH05 CW 1600 जिसे अब मेरे नाम पर परिवर्तन करने के लिए कल्याण आर.टी.ओ. कार्यालय में आवेदन दे दिया है. उपरोक्त गाड़ियों पर किसी को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो जैसे विक्री व्यवहार, खरीदी व्यवहार, गिरवी, दान बक्षीस, वारण, लीज तथा अन्य कोई लेन देन हो तो इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर अपनी आपत्ती आर.टी.ओ. कार्यालय, कल्याण में दर्ज कराएं। अन्यथा MH05 CF 2796 व MH05 CW 1600 मेरे श्रीमती हीना अनिल तलरेजा के नाम पंजीकरण कर दिया जाएगा.

सही/-
श्रीमती हीना अनिल तलरेजा

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा मैं श्रीमती शिला संतोष लांबारे सभी को सूचित कर रही हूं कि श्री संतोष बालाजी लांबारे का देहांत 13 अप्रैल 2026 को हो गया है. उनके नाम पर ऑटो रिक्शा नं. एमएच05 डीक्यू 4459 है और परमिट नं. 3219/2018 जिसे अब मेरे नाम पर परिवर्तन करने के लिए कल्याण आर.टी.ओ. कार्यालय में आवेदन दे दिया है. उपरोक्त ऑटो रिक्शा पर किसी को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो जैसे विक्री व्यवहार, खरीदी व्यवहार, गिरवी, दान बक्षीस, वारण, लीज तथा अन्य कोई लेन देन हो तो इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर अपनी आपत्ती आर.टी.ओ. कार्यालय, कल्याण में दर्ज कराएं। अन्यथा रिक्शा नं. एमएच05 डीक्यू 4459 मेरे श्रीमती शिला संतोष लांबारे के नाम पंजीकरण कर दिया जाएगा.

सही/-
श्रीमती शिला संतोष लांबारे

CHANGE OF NAME

I have changed my name from **GAWRABAI alias GAWRABAI DAGDU SHELKE** to **GAWRABAI DAGDOO SHELKE** as per affidavit serial no. 68AB341643 dated 20.08.2026 duly notarized at page no.39 sr. no. 5115 dated 09.09.2026.

आम सूचना

मैं श्रीमती अंजली राधाकिशन नायर सभी को सूचित कर रही हूं कि फ्लैट नं. 103, पहला माला, श्री शरण अपार्टमेंट, उल्हासनगर- 3. (टैक्स नं. 27बीआय004874700) उक्त प्रॉपर्टी श्री बलविंदर सिंह लांबा व श्रीमती सुरजीत कौर बलविंदर सिंह लांबा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 31.7.2026 रजि. नं. 11893/2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती अंजली राधाकिशन नायर

आम सूचना

हम श्रीमती विमल धोंडीराम गरंडे व श्री धोंडीराम मारुती गरंडे सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, ग्राऊंड + अपर फ्लोर, बैरक नं. 114, 115 के पास, यु.नं. 106, चालता नं. 92, शिट नं. 91, हनुमान नगर, एमआईडीसी रोड, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 05एओ014342800) उक्त प्रॉपर्टी श्री सुधाकर लक्ष्मण कुमावत के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 16.9.2026 सी.नं. 5887/2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती विमल धोंडीराम गरंडे
व श्री धोंडीराम मारुती गरंडे

आम सूचना

मैं श्रीमती बसंती देवी रामशरण मौर्या सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, गोकुल नगर, बैरक नंबर ए-703, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 53डीओ012451700) उक्त प्रॉपर्टी श्री रामशरण रामनारायण मौर्या के नाम पर है। श्री विजय बहादुर मौर्या, श्री शिवशंकरलाल मौर्या, श्रीमती रेखा मौर्या, श्रीमती संजना राजेश मुराओ ने रिलीज एग्रीमेंट दि. 11.9.2026 सी नं 5319 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती बसंती देवी रामशरण मौर्या

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099